Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 340
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
सोमवार, 15 दिसम्बर, 2025

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

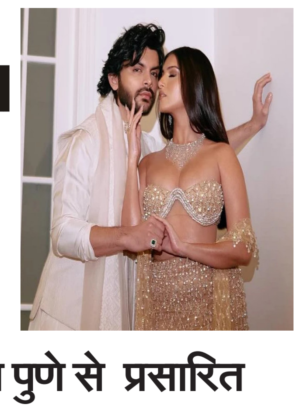

3 'प्रोजेक्ट महादेवा' 2034 फुटबॉल वर्ल्ड कप ....
4 वंदे मातरम पर बहस से खुले इतिहस के ...
7 वैभव सूर्यवंशी जैसा टैलेंट, लेकिन एक चूक ...

संक्षिप्त न्यूज

कश्मीर पर पाकिस्तान की साजिशें तेज, दुष्यंत सिंह बोले- ऑपरेशन सिंदूर 2.0 के लिए तैयार रहे भारत

गांधीनगर। दुनियाभर में कटोरा लेकर घूम रहा पाकिस्तान इन दिनों फिर से कश्मीर के मुद्दे पर अपने नापाक इरादे दिखा रहा है। चीन और तुर्किये के समर्थन से उछल रहा आतंकियों का पनाहगाह कश्मीर के मुद्दे पर अब भी अड़ा हुआ है। सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल दुष्यंत सिंह ने रविवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर 2.0 अब टाला नहीं जा सकता और भारतीय सशस्त्र बलों को इसके लिए पूरी तरह तैयार रहना चाहिए। उनका कहना है कि पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे पर अब भी अड़ा हुआ है और उसे इस मामले में चीन और तुर्किये का समर्थन भी मिल रहा है। गुजरात में वायु सेना के दक्षिण पश्चिमी वायु कमान (एसडब्ल्यूएसी) के मुख्यालय में आयोजित फ्लाइंग ऑफिसर निर्मल जीत सिंह सेखों मेमोरियल लेक्चर के दौरान जनरल दुष्यंत सिंह ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि मई 2025 में हुए पहले ऑपरेशन सिंदूर के बाद लागू किया गया संघर्षविराम (सीजफायर) अभी भी कमजोर स्थिति में है। ऐसे में भारत को किसी भी हालात से निपटने के लिए तैयार रहना होगा।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की तारीफ की

सेनानिवृत जनरल दुष्यंत सिंह ने आगे ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की तारीफ की। उन्होंने कहा कि इस अभियान से भारत की सैन्य सोच में बड़ा बदलाव आया। 1971 के युद्ध के बाद यह पहला मौका था जब थल सेना, नौसेना और वायु सेना ने पूरी तरह आपसी तालमेल के साथ काम किया।

हालांकि, उन्होंने कुछ कमियों की भी बात की। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की तरफ से अपनी बात सही ढंग से रखने (नैरेटिव-बिल्डिंग) में कमजोरी रही। इसके अलावा ऑपरेशन के दौरान साइबर हमले सात गुना तक बढ़ गए।

बॉन्डी बीच पर हुए भयानक हमले की पीएम मोदी ने की कड़ी निंदा, पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में हुए भयानक आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। इस हमले में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

पीएम मोदी ने घटना पर क्या कहा

पीएम मोदी ने सिडनी के बॉन्डी बीच पर हुए हमले को 'भयानक आतंकवादी हमला' बताया। उन्होंने भारत के लोगों की ओर से पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। पीएम मोदी ने कहा, 'आज ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर यहूदी त्योहार हनुक्का के पहले दिन जश्न मना रहे लोगों को निशाना बनाकर किए गए भयानक आतंकवादी हमले की हम कड़ी निंदा करते हैं। दुख की इस घड़ी में हम ऑस्ट्रेलिया के लोगों के साथ खड़े हैं।' उन्होंने आगे कहा कि भारत आतंकवाद के प्रति ज़ीरो टॉलरेंस रखता है और आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ लड़ाई का समर्थन करता है।

जयशंकर ने भी जताया दुख

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी इस हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर हनुक्का त्योहार के दौरान हुए आतंकी हमले की हम कड़ी निंदा करते हैं। हमारी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं।

हनुक्का उत्सव के दौरान हुई गोलीबारी

यह भयानक गोलीबारी उस समय हुई, जब यहूदी समुदाय के लोग शाम को हनुक्का (रोशनी का त्योहार, जो आठ दिनों तक मनाया जाता है) का जश्न मना रहे थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, उन्होंने लगभग 50 राउंड गोलियों की आवाज सुनी, जिसके बाद कैंपबेल परेड के पास जमीन पर लोग पड़े हुए थे।

मेक्सिको ने बढ़ाया टैरिफ, भारत ने दी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मेक्सिको ने भारत से आयात होने वाले कुछ चुनिंदा उत्पादों पर टैरिफ में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंज़ूरी दे दी है। इसके जवाब में, भारत ने अपने हितों की रक्षा के लिए 'उचित कदम' उठाने की चेतावनी दी है। यह जानकारी शनिवार को एक अधिकारी ने दी।अधिकारी ने कहा, 'भारत भारतीय निर्यातकों के हितों की रक्षा के लिए उचित कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है, साथ ही रचनात्मक बातचीत के ज़रिए समाधान खोजने की कोशिश जारी रखेगा।' पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत इस संबंध में बिल पेश किए जाने के शुरुआती चरण से ही मेक्सिको के साथ बातचीत कर रहा था। वाणिज्य विभाग और मेक्सिको के अर्थव्यवस्था मंत्रालय आपसी फायदे वाले ऐसे समाधान खोजने में लगे हुए हैं जो वैश्विक व्यापार नियमों के अनुरूप हों।

'लोकतंत्र में संस्थानों को अपनी सीमाओं को जानना और सम्मान करना चाहिए', बोले राज्यपाल

तिरुवनंतपुरम। केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने रविवार को कहा कि लोकतंत्र में हर संस्था की अपनी सीमाएं होती हैं, और लोकतांत्रिक कामकाज की सेहत उन सीमाओं को जानने और उनका सम्मान करने पर निर्भर करती है।

राज्यपाल ने यह टिप्पणी पूर्व मुख्य न्यायाधीश और केरल के पूर्व राज्यपाल जस्टिस (सेवानिवृत्त) पी. सदाशिवम को जस्टिस वी. आर. कृष्णा अय्यर पुरस्कार देने के बाद की। यह पुरस्कार लॉ ट्रस्ट (लीगल असिस्टेंस एंड वेलफेयर ट्रस्ट) द्वारा स्थापित किया गया था।

राज्यपाल अर्लेकर की यह टिप्पणी हाल ही में उच्चतम न्यायालय के उस निर्देश के बाद आई है, जिसमें जस्टिस (सेवानिवृत्त) सुधांशु धूलिया की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है, ताकि केरल के दो तकनीकी विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति के लिए एक-एक नाम की सिफारिश की जा सके। यह कदम राज्यपाल और केरल के मुख्यमंत्री के बीच इस मुद्दे पर बने गतिरोध को हल करने के लिए उठाया गया है।

मामले को लेकर लोक भवन द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि राज्यपाल ने लोकतंत्र में एक संस्था द्वारा दूसरी संस्था की भूमिका हथियाने की प्रवृत्ति की निंदा की। बयान के मुताबिक, संविधान में संशोधन करने की शक्ति संसद और निर्वाचित विधायिका के पास है, और अदालतें 'संविधान की व्याख्या

करने के लिए हैं, न कि संविधान में संशोधन करने के लिए'।'

राज्यपाल ने कहा कि एक ही मुद्दे पर विरोधाभासी व्याख्याएं संविधान की सच्ची भावना के अनुरूप नहीं हैं। बयान में यह भी कहा गया है, 'वह पहले कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट के तीन-सदस्यीय फैसले का जिक्र कर रहे थे, जिसने नियुक्ति प्रक्रिया में कुलाधिपति की सर्वोच्चता को बरकरार रखा था।

पंकज चौधरी बने उत्तर प्रदेश बीजेपी के नए अध्यक्ष, CM Yogi समेत अन्य नेताओं ने दी बधाई

लखनऊ। महाराजगंज से सातवीं बार लोकसभा सांसद और केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी को भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश का नया अध्यक्ष चुन लिया गया है। शनिवार को उनके खिलाफ अध्यक्ष पद के लिए किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया था।

केंद्रीय चुनाव अधिकारी पीयूष गोयल ने रविवार को पंकज चौधरी को उत्तर प्रदेश बीजेपी के 17वें अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया। 1980 में बीजेपी उत्तर प्रदेश के गठन के बाद से पंकज चौधरी यह पद संभालने वाले 17वें नेता हैं। इस दौरान राष्ट्रीय परिषद के 120 सदस्यों के नामों की भी घोषणा की गई।

घोषणा के बाद पंकज चौधरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अन्य बीजेपी नेताओं ने उन्हें बधाई दी।

पंकज चौधरी के नेतृत्व पर बीजेपी नेताओं ने अपना भरोसा जताया है। सांसद दिनेश शर्मा ने कहा कि यह बीजेपी और अन्य पार्टियों के बीच का फर्क है, जहाँ एक पार्टी कार्यकर्ता भी अध्यक्ष बन सकता है, जबकि अन्य पार्टियों में परिवार के सदस्य ही अध्यक्ष बनते हैं।

उत्तर प्रदेश के मंत्री राकेश सचान ने कहा कि पंकज चौधरी के नेतृत्व में पार्टी कुशलता से काम करेगी और 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए एक रोडमैप तैयार करेगी, जिसका लक्ष्य जीत हासिल करना होगा।

मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक दिन है और प्रधानमंत्री मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विकास का विजन नए अध्यक्ष के समर्थन और प्रयासों से जमीन पर उतरेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि 2027 में राज्य में फिर से पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी।

राष्ट्रपति ने मासूम से दुष्कर्म और हत्या के दोषी की दया याचिका की खारिज, 2012 की है घटना

नई दिल्ली। दो वर्षीय बच्ची के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के दोषी व्यक्ति की दया याचिका राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खारिज कर दी। घटना 2012 में महाराष्ट्र में हुई थी। 25 जुलाई, 2022 को पदभार ग्रहण करने के बाद राष्ट्रपति ने यह तीसरी दया याचिका खारिज की है। राष्ट्रपति भवन से जारी की गई दया याचिका की स्थिति के अनुसार, घुमारे की दया याचिका को राष्ट्रपति ने 6 नवंबर, 2025 को खारिज कर दिया था।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 3 अक्तूबर, 2019 को रवि अशोक घुमारे को दी गई फांसी की सजा को बरकरार रखी थी। शीर्ष कोर्ट ने कहा था, उसका अपनी यौन इच्छाओं पर कोई नियंत्रण नहीं था और अपनी यौन भूख को शांत करने के लिए उसने सभी प्राकृतिक, सामाजिक

और कानूनी हदों को पार कर दिया था। अपने फैसले में, जस्टिस सूर्यकांत (जो अब भारत के मुख्य न्यायाधीश हैं) की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने 2-1 के बहुमत से कहा, इस व्यक्ति ने एक ऐसे जीवन को निर्दयतापूर्वक खत्म कर दिया जिसका खिलना अभी बाकी था। दो वर्षीय बच्ची के साथ अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने का उसका कृत्य घिनौनी और विकृत मानसिकता को दर्शाता है और क्रूरता की भयावह कहानी बताता है।

फैसले में कहा गया था, यह देखते हुए कि पीड़िता मुश्किल से दो साल की बच्ची थी, जिसे अपीलकर्ता (रवि) ने अगवा किया और चार से पांच घंटे तक लगातार प्रताड़ित किया, जब तक कि उसकी मृत्यु नहीं हो गई। जस्टिस सूर्यकांत ने अपने और जस्टिस (अब सेवानिवृत्त) रोहिंटन एफ नरीमन के लिए यह फैसला लिखा था। बहुमत के फैसले में कहा गया, अपीलकर्ता ने बच्चे को पिता तुल्य प्रेम, स्नेह और समाज की बुराइयों से सुरक्षा देने के बजाय, उसे वासना का शिकार बनाया। यह विश्वासघात का मामला है, जिसमें सामाजिक मूल्यों को ठेस पहुंची है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह घटना 6 मार्च, 2012 को महाराष्ट्र के जालना शहर के इंदिरा नगर इलाके में हुई थी। घुमारे ने पीड़िता को चॉकलेट का लालच दिया था। ट्रायल कोर्ट ने उसे दोषी ठहराया और 16 सितंबर, 2015 को मौत की सजा सुनाई। जनवरी, 2016 में बॉम्बे हाई कोर्ट ने उसकी मौत की सजा को बरकरार रखा।

बीजेपी का बड़ा ऐलान, बिहार के अनुभवी नेता नितिन नबीन पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त

पटना। भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बदलाव करते हुए बिहार सरकार के मंत्री नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

संसदीय बोर्ड ने दी मंजूरी

बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह द्वारा जारी एक आधिकारिक आदेश में कहा गया है कि इस नियुक्ति को पार्टी के संसदीय बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। वर्तमान में नितिन नबीन नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार में सड़क निर्माण विभाग के मंत्री हैं।

यह संगठनात्मक फेरबदल ऐसे समय में हुआ है जब पार्टी अपने शीर्ष नेतृत्व ढांचे में बदलाव कर रही है। मौजूदा बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जनवरी 2020 में नियुक्त हुए थे और उन्हें 2024 के लोकसभा चुनावों सहित कई महत्वपूर्ण मौकों पर पार्टी का नेतृत्व करने के लिए कार्यकाल में एक्सटेंशन दिया गया था।

कौन हैं नितिन नबीन?

नितिन नबीन बिहार के एक अनुभवी बीजेपी नेता हैं जिनकी राजनीतिक जड़ें काफी गहरी हैं। पटना में जन्मे नितिन नबीन दिवंगत नबीन किशोर प्रसाद सिन्हा के बेटे हैं, जो स्वयं एक अनुभवी बीजेपी नेता और पूर्व विधायक थे। अपने पिता के निधन के बाद नितिन नबीन ने सक्रिय चुनावी राजनीति में कदम रखा।

विधायक बनने का सफर

वह पटना में बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। नबीन 2006 में उपचुनाव जीतने के बाद से लगातार चार बार विधायक चुने गए हैं। वह राज्य में पार्टी के सबसे मजबूत प्रदर्शन करने वालों में से एक माने जाते हैं। हाल ही में हुए बिहार विधानसभा चुनावों में, उन्होंने बांकीपुर से शानदार जीत हासिल की थी, जिसमें उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 51,000 से अधिक वोटों के अंतर से हराया था।

प्रदूषण के कारण दिल्ली के स्कूलों में 'हाइब्रिड' क्लास शुरू करने का आदेश जारी

नई दिल्ली। दिल्ली में हवा की क्वालिटी 'गंभीर' स्तर पर पहुंचने के बाद, शिक्षा निदेशालय ने तत्काल प्रभाव से स्कूलों को हाइब्रिड क्लास शुरू करने का निर्देश दिया है। यह कदम बच्चों को खतरनाक प्रदूषण से बचाने और उनकी पढ़ाई को बिना रुकावट जारी रखने के लिए उठाया गया है। यह निर्देश क्लास 1 से 9 और क्लास 11 के छात्रों पर लागू होगा।

यह आदेश दिल्ली के सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और बिना सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों पर लागू होता है, जो DoE, NDMC, MCD और दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड के तहत आते हैं। स्कूलों को निर्देश दिया गया है कि वे अगले आदेश तक, जहां भी संभव हो, ऑनलाइन और फिजिकल क्लास का मिश्रण दें।

यह फैसला तब आया है जब अधिकारियों ने राष्ट्रीय राजधानी में हवा की क्वालिटी में अचानक आई गिरावट के कारण ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान के स्टेज-4 के तहत पाबंदियां सख्त कर दी हैं।

शिक्षा निदेशालय ने अपने आधिकारिक नोटिस में कहा, 'सभी हेड को निर्देश दिया जाता है कि वे क्लास 9 और 11 तक के बच्चों के लिए 'हाइब्रिड' मोड में क्लास चलाएं, जिसमें फिजिकल और ऑनलाइन दोनों शामिल हों, जहां भी ऑनलाइन क्लास संभव हों, अगले आदेश तक तुरंत प्रभाव से।'

आधिकारिक नोटिस में यह भी स्पष्ट किया गया है कि छात्रों और उनके अभिभावकों के पास, जहां भी यह सुविधा उपलब्ध है, वहां ऑनलाइन क्लास में शामिल होने का विकल्प होगा।

चूंकि प्रदूषण का उच्च स्तर बच्चों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर रहा है, इसलिए दिल्ली के स्कूलों ने सुरक्षा और सीखने की निरंतरता के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए तुरंत प्रभाव से हाइब्रिड मॉडल लागू कर दिया है।

इंदौर को मिली 700 करोड़ की स्वास्थ्य सौगात सीएम मोहन यादव ने 1450 बेड के नए एमवाय अस्पताल का किया भूमिपूजन

भोपाल **(एजेंसी)**। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को इंदौर को बड़ी स्वास्थ्य सौगात देते हुए 1450 बेड क्षमता वाले नए महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एमवाय अस्पताल) भवन का भूमिपूजन किया। यह नया अस्पताल भवन करीब 700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से तैयार किया जाएगा।

गौरतलब है कि इंदौर का एमवाय अस्पताल भवन वर्षों पुराना हो चुका है और अब बढ़ती आबादी व मरीजों की जरूरतों को देखते हुए नए, आधुनिक और सर्वसुविधायुक्त अस्पताल की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। नए भवन के निर्माण से इंदौर और आसपास के जिलों के लाखों मरीजों को बेहतर और अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं मिल सकेंगी। नए एमवाय अस्पताल का निर्माण सुपर स्पेशलिटी अस्पताल परिसर में किया जाएगा। यह भवन ग्राउंड फ्लोर सहित बहुमंजिला होगा और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। परियोजना में अस्पताल के साथ-साथ नर्सिंग हॉस्टल, ऑडिटोरियम, व्यवस्थित पार्किंग और बाहरी विकास कार्य भी शामिल हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, इस आधुनिक अस्पताल के बनने से गंभीर और जटिल बीमारियों के इलाज में काफी सुविधा मिलेगी और मध्य प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। यह परियोजना इंदौर को मेडिकल हब के रूप में और सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

भारत की भावी युद्ध शक्ति जय पर आधारित होगी : जनरल अनिल चौहान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को कहा कि देश की भविष्य की युद्ध शक्ति तीन स्तंभों - संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और नवाचार - से संचालित होगी। चौहान ने इन तीनों तत्वों को सामूहिक रूप से 'जेएआई' कहा।

हैदराबाद के पास दुर्डिक्कल स्थित वायुसेना अकादमी में 'कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड (सीजीपी)' का निरीक्षण करते हुए जनरल चौहान ने कहा कि भले ही अभियानों की तीव्रता कम हो गई हो, लेकिन 'ऑपरेशन सिंदूर' जारी है। उन्होंने कहा, "हमारी ताकत हर घंटे, हर दिन सतर्क रहने की क्षमता में निहित होगी।"

किसी देश का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि संस्थागत कमजोरी और प्रतिक्रियात्मक समायोजन को दर्शाने वाले घटनाक्रम अक्सर हमारे आसपास ही देखने को मिलते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि युद्ध केवल बयानबाजी से नहीं, बल्कि सुनियोजित कार्रवाई से जीते जा सकते हैं।

जनरल चौहान ने कहा, "हमारे आसपास अक्सर ऐसे घटनाक्रम देखने को मिलते हैं जो संस्थागत कमजोरी और प्रतिक्रियात्मक समायोजन का संकेत देते

हैं। इसके विपरीत, भारत की ताकत मजबूत संस्थाओं, लोकतांत्रिक स्थिरता और हमारे सशस्त्र बलों के अटूट पेशेवर अंदाज पर आधारित है।" सीडीएस ने नवनियुक्त अधिकारियों से कहा कि वे भारतीय वायु सेना में ऐसे समय में प्रवेश कर रहे हैं जब सशस्त्र बलों में गहन परिवर्तन का दौर चल रहा है। उन्होंने कहा कि नवनियुक्त अधिकारियों का आगे का सफर जय हिंद के पहले शब्द 'जेएआई' से निर्देशित होगा।

उन्होंने कहा, " संयुक्तता का अर्थ है एक राष्ट्र और एक सेना के रूप में लड़ना, और आत्मनिर्भरता का अर्थ है भरोसेमंद मंच और प्रणालियां जो न केवल भारत के लिए बल्कि विश्व के लिए भी बनाई गई हों। " उन्होंने कहा कि नवाचार का अर्थ है दूरदर्शी सोच रखना और समय से आगे रहना। उन्होंने कहा, "ये तीन स्तंभ भारत की युद्ध शक्ति के भविष्य को आकार देंगे।"

जनरल चौहान ने कहा कि युद्ध और युद्धकला एक बड़ी क्रांति की दहलीज पर है। उन्होंने कहा कि भारतीय रक्षा बल बदलते परिवेश के अनुकूल बनने और सुधारों को आत्मसात करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि वे हमेशा तैयार और प्रासंगिक बने रहें।

14 साल बाद भारत आए जीओएटी मेसी, फुटबॉल खेला और राहुल गांधी से भी हुई खास मुलाकात

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। लियोनेल मेसी 14 साल बाद भारत आए और उनके इंडिया टूर की शुरुआत कोलकाता से हुई। सॉल्ट लेक स्टेडियम में मात्र 10 मिनट के लिए नजर आने पर फैंस नाराज हो गए और स्टेडियम में हंगामा हुआ। कुर्सियां और बोतलें फेंकी गईं, जिससे सुरक्षा कर्मियों के लिए हालात संभालना मुश्किल हो गया।

कोलकाता की परेशानी के बाद हैदराबाद में मेसी का स्वागत बेहद व्यवस्थित और उत्साहपूर्ण रहा। फैंस ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और उनका इंडिया टूर का दूसरा चरण सफल रहा।

13 दिसंबर की शाम मेसी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में सीएम के साथ एक छोटा एक्सहिबिशन फुटबॉल मैच खेला। मैच में मेसी ने गेंद के साथ अपने जादू का प्रदर्शन किया।

हैदराबाद में मेसी ने कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी से भी मुलाकात की। इस दौरान मेसी ने राहुल को अर्जेंटीना फुटबॉल टीम की खास जर्सी गिफ्ट की। यह मोमेंट फैंस के बीच बेहद लोकप्रिय रहा। हैदराबाद में मेसी का कार्यक्रम व्यवस्थित रहा और उन्होंने दर्शकों के साथ किया। कोलकाता की शुरुआती गड़बड़ी के बाद यह चरण उनके इंडिया टूर का सफल अध्याय माना जा रहा है।

मुंबई का 'रहमान डकैत' कौन? शिंदे के 'धुरंधर' हमले ने मचाई सनसनी; उद्धव पर था निशाना

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'धुरंधर' का खुमार अब राजनीतिक बयानबाजी में भी दिखने लगा है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर अप्रत्यक्ष रूप से हमला करते हुए महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार (14 दिसंबर) को 'धुरंधर' के किरदार 'रहमान डकैत' का हवाला देते हुए अपने प्रतिद्वंद्वियों पर मुंबई को लूटने का बड़ा आरोप लगाया और सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन को 'धुरंधर' करार दिया।

डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर इशारों में करारा हमला करते हुए फिल्म धुरंधर के किरदारों का जिक्र किया और कहा कि 'मुंबई के खजाने' को लूटने वाले 'रहमान डकैत' को 'धुरंधर महायुति' गठबंधन मुंहतोड़ जवाब देगा। यह ताजा राजनीतिक हमला बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) सहित नगर निगम चुनावों से पहले हुआ है।

शिंदे ने किया 'रहमान डकैत' का जिक्र

राज्य विधानसभा में 'अंतिम सप्ताह संकल्प' बहस के दौरान बोलते हुए शिंदे ने विधान परिषद में उनकी 'कम उपस्थिति' और जिसे उन्होंने (हिंदुत्व) विचारधारा के साथ विश्वासघात कहा, उस पर शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख को निशाना बनाने के लिए शायरी और व्यंग्य का इस्तेमाल किया। बहस के दौरान बोलते हुए शिंदे ने 'रहमान डकैत' का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि

शिवसेना के बृहन्मुंबई नगर निगम पर लंबे समय तक शासन के दौरान ऐसे लोगों ने 'मुंबई के खजाने को लूटा' था। ठाकरे का नाम लिए बिना शिंदे ने कहा कि 'धुरंधर महायुति' इसका 'मुंहतोड़ जवाब' देंगे।

'मौजूदा महायुति सिर्फ एक ट्रेलर, असली पिक्चर अभी बाकी'

अविभाजित शिवसेना के बृहन्मुंबई नगर निगम में लंबे कार्यकाल का जिक्र करते हुए शिंदे ने कहा, 'यह रहमान डकैत कौन है? जिसने मुंबई के खजाने को लूटा? मैं व्यक्तिगत हमले नहीं करता, लेकिन ऐसे कई रहमान डकैत आए और चले गए। यह 'धुरंधर महायुति' उन्हें मुंहतोड़ जवाब देगी। मौजूदा महायुति सिर्फ एक ट्रेलर है- असली पिक्चर अभी बाकी है।'

बता दें कि महायुति गठबंधन में बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी शामिल हैं। महायुति सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को गिनाते हुए शिंदे ने सीबीएसई पाठ्यक्रम में छत्रपति शिवाजी महाराज पर 21 पन्नों का अध्याय शामिल करने के लिए शिक्षा मंत्री की तारीफ की। वहीं ठाकरे पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि दूसरों के बारे में बुरा बोलने से किसी का चरित्र बेहतर नहीं होता।

'वह सच्चा उत्तराधिकारी नहीं हो सकता', शिंदे का बड़ा हमला

शिंदे ने कहा, 'जिस व्यक्ति ने सत्ता के लिए विश्वास और विचारधारा का सौदा किया, वह सच्चा उत्तराधिकारी नहीं हो सकता,' यह बात उन्होंने शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे की हिंदुत्व विरासत की ओर इशारा करते हुए कही। उपमुख्यमंत्री के पद की संवैधानिकता पर ठाकरे के हालिया सवाल का जवाब देते हुए शिंदे ने कहा, 'जब मैं मुख्यमंत्री बना, तो आपने मुझे गैर-संवैधानिक कहा और मुझे हटाना चाहते थे। अब आप मुझे उपमुख्यमंत्री पद से हटाना चाहते हैं।'

कुछ लोग सदन में दो घंटे भी नहीं बैठ सकतेः शिंदे

सरकारी योजनाओं को 'गेम-चेंजर' बताते हुए शिंदे ने जोर देकर कहा कि महायुति आगामी नगर निगम चुनाव जीतेगी और साबित करेगी कि सहयोगी 'असली धुरंधर' हैं। उन्होंने एमएलसी ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा, 'हमने विधानसभा को रात 2 बजे तक चलाया, लेकिन कुछ लोग सदन में दो घंटे भी नहीं बैठ सकते। कुछ विधायक सेशन को टूरिज्म की तरह लेते हैं।' उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि हाल ही में खत्म हुए शीतकालीन सत्र के दौरान विपक्ष ने आम लोगों से जुड़े मुद्दों को उठाने में नाकाम रहा।

SIT सारंगवाड़ी प्रोजेक्ट में गड़बड़ियों की जांच करेगी; तीन महीने में रिपोर्ट- मिट्टी और जल संरक्षण मंत्री संजय राठौड़

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नागपुर। मिट्टी और जल संरक्षण मंत्री संजय राठौड़ ने विधानसभा को बताया कि बुलढाणा जिले में सारंगवाड़ी जल संरक्षण प्रोजेक्ट में लागत बढ़ने और संभावित गड़बड़ियों की जांच के लिए तीन महीने के अंदर एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) नियुक्त की जाएगी और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिसमें सस्पेंशन भी शामिल है।

विधानसभा सदस्य श्वेता महाले द्वारा उठाए गए एक अहम सुझाव का जवाब देते हुए, मंत्री राठौड़ ने कहा कि सारंगवाड़ी एक बहुत महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है और जल संसाधन विभाग ने 2009 में इसे तकनीकी मंजूरी, बेसिक प्रशासनिक मंजूरी और वर्क ऑर्डर दिया था। हालांकि, असल काम शुरू नहीं हुआ था। स्थानीय जनप्रतिनिधियों की लगातार मांग के बाद, इस प्रोजेक्ट को जल संरक्षण विभाग को ट्रांसफर कर दिया गया।

प्रोजेक्ट को लागू करने के दौरान, इलाके की बनावट, क्रॉस सेक्शन और एफ्लुएंट लेवल की समस्याओं, डिज़ाइन में बदलाव, ऊंचे लेवल की नहर डिज़ाइन के कारण टेल चैनल की समस्याओं आदि के कारण

लागत बढ़ गई है। इन समस्याओं को दूर करने के लिए संशोधित प्रशासनिक मंजूरियां भी दी गई हैं। मंत्री राठौड़ ने कहा कि 2017 से लागू GST के कारण, लगभग 28 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। भूमि अधिग्रहण पर लगभग 25 करोड़ रुपये खर्च किए गए। साथ ही, वन विभाग की लगभग 24 हेक्टेयर जमीन से संबंधित समस्याओं, रॉयल्टी, कीमतों में बढ़ोतरी के कारण भी खर्च बढ़ा है। फिलहाल, प्रोजेक्ट का लगभग 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और अब तक ठेकेदार को 200 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। मंत्री राठौड़ ने कहा कि विभाग बाकी काम जल्द से जल्द पूरा करने की कोशिश कर रहा है।

इस बीच, मंत्री राठौड़ ने कहा कि अगर मंजूरी या बजट बनाने में किसी भी तरह की गड़बड़ी का शक है, तो उसकी जांच की जाएगी, और कहा कि इस संबंध में एक SIT नियुक्त करने का फैसला किया गया है। मंत्री संजय राठौड़ ने कहा कि इस संबंध में जांच तीन महीने के अंदर पूरी कर ली जाएगी और दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सभी सरकारी विभागों में प्रभावी क्वालिटी कंट्रोल सिस्टम लागू - राज्य मंत्री इंद्रनील नाइक

नागपुर। लोक निर्माण राज्य मंत्री इंद्रनील नाइक ने विधानसभा को बताया कि राज्य के सभी सरकारी विभागों में पहले से ही एक प्रभावी क्वालिटी कंट्रोल सिस्टम लागू है और यह ठीक से काम कर रहा है।

सदस्य अनुराधा चव्हाण ने एक दिलचस्प सुझाव के ज़रिए विभिन्न विभागों में क्वालिटी मॉनिटरिंग सिस्टम और क्वालिटी एश्योरेंस अथॉरिटी स्थापित करने का मुद्दा उठाया। राज्य मंत्री नाइक ने इसका जवाब दिया।

राज्य मंत्री नाइक ने कहा कि हरियाणा की तर्ज पर राज्य में सरकारी कार्यालयों में एक स्वतंत्र क्वालिटी एश्योरेंस अथॉरिटी स्थापित करना एक नीतिगत फैसला है, इसलिए सभी विभागों की भागीदारी से इस पर सकारात्मक रूप से विचार किया जाएगा।

राज्य मंत्री नाइक ने कहा कि राज्य में विभिन्न विकास कार्यों के लिए तीन-स्तरीय क्वालिटी कंट्रोल सिस्टम मौजूद है। इसमें प्रोजेक्ट लागू करने के लिए एक अलग यूनिट, स्टेट क्वालिटी मॉनिटरिंग और नेशनल क्वालिटी मॉनिटरिंग शामिल हैं। साथ ही, लोक निर्माण विभाग और अलग-अलग बिजली विभागों में छह सर्कल-वार और अलग-अलग क्वालिटी कंट्रोल यूनिट काम कर रही हैं, और सभी विभागों में अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएं और टेस्टिंग सुविधाएं हैं।

अगर राज्य में किसी भी सरकारी विभाग को क्वालिटी मॉनिटरिंग में कोई कमी मिलती है, तो कार्रवाई करने की प्रक्रिया है। हालांकि, हरियाणा की तर्ज पर एक स्वतंत्र अथॉरिटी स्थापित करने का फैसला तुरंत नहीं लिया जा सकता, क्योंकि यह एक नीतिगत मामला है, राज्य मंत्री नाइक ने कहा।

कौशल विकास और प्रशिक्षण योजनाओं को और प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा - मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा

दिव्यांश

मुंबई(संवाददाता)

राज्य में बेरोजगार युवाओं के लिए कौशल विकास और प्रशिक्षण योजनाओं को और प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा, यह जानकारी कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने विधानसभा में दी। मंत्री लोढ़ा विधानसभा सदस्य राहुल पाटिल द्वारा दिए गए एक महत्वपूर्ण सुझाव का जवाब देते हुए बोल रहे थे। मंत्री लोढ़ा ने कहा कि 2007 के बाद बेरोजगारों के लिए कोई ठोस योजना नहीं थी। मौजूदा योजना रोजगार के

लिए नहीं, बल्कि प्रशिक्षण के लिए शुरू की गई थी। यह योजना, जो शुरू में छह महीने के लिए थी, चुनाव के बाद इसे बंद करने के बजाय पांच महीने के लिए बढ़ा दिया गया। इसके अलावा, इस योजना के लिए सप्लीमेंट्री मांगों में 400 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, और बजट में भी 418 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसलिए, इस योजना को बंद करने का कोई सवाल ही नहीं है।

राज्य के ITI संस्थानों में नए, रोजगार-उन्मुख और लोकप्रिय कोर्स शुरू किए गए हैं। इनमें शॉर्ट-टर्म कोर्स शामिल हैं। इन कोर्स का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था, और पहले चरण में 55 हजार छात्रों को फायदा हुआ है, मंत्री लोढ़ा ने बताया।

साथ ही, 'मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना' शुरू की गई है, और पहले साल में 5 लाख बेरोजगार लोगों को फायदा होगा। इस योजना के तहत, हर साल 5 लाख छात्रों को 3 प्रतिशत ब्याज दर पर 5 लाख रुपये तक का लोन दिया जाएगा। मंत्री लोढ़ा ने यह भी बताया कि न केवल लोन दिया जाएगा, बल्कि हर ITI में इनक्यूबेशन सेंटर और मेंटरशिप ग्रुप स्थापित किए जाएंगे, और ऑनलाइन सवाल-जवाब के लिए एक अलग ऐप भी बनाया गया है। इस बीच, मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने यह भी कहा कि जिन छात्रों ने अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिया है, उनके लिए 1 जनवरी से एक विशेष नई योजना लागू की जाएगी।इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सदस्य जयंत पाटिल, विजय वडेट्टीवार और योगेश सागर ने भी भाग लिया।

सिर से टोपी उतारने को लेकर हुई लड़ाई, रोकने गई गर्भवती महिला के पेट में मारी लात, बच्चे की मौत

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के कल्याण मोहने गांव के लहूजीनगर इलाके में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, यहां एक मामूली बात पर दो पड़ोसियों के बीच मारपीट हो गई. इस दौरान लड़ाई को छुड़ाने गई एक गर्भवती महिला पर जानलेवा हमला किया गया. इस हमले में महिला के पेट में पल रहे बच्चे की दुर्भाग्यपूर्ण मौत हो गई है. इस घटना के सभी को चौंका दिया है और साथ ही इलाके में बढ़ रही इस तरह की घटनाओं के कारण पुलिस की कार्यक्षमता पर सवालिया निशान लग गया है.

सिर से टोपी निकालने पर हुई बहस

बता दें कि घटना की शुरुआत एक बहुत ही छोटी सी बात को लेकर हुई है. दावा किया जा रहा है कि एक पड़ोसी ने दूसरे से सिर से टोपी उतारने को कहा और इसी बात पर दोनों के बीच बहस होने लगी और देखते ही देखते यह बहस मारपीट में बदल गई. इस दौरान जब गर्भवती महिला दोनों की लड़ाई रोकने गई तो मारपीट में आरोपी ने गर्भवती महिला के पेट में जोरदार लात मार दी, जिसके कारण महिला को कई चोटें भी आई और उसके पेट में पल रहे बच्चे की मौत हो गई है.

पुलिस पर लापरवाही का आरोप

इस दौरान इलाके में बार-बार होने वाली घटनाओं के कारण पुलिस की कार्यक्षमता पर सवालिया निशान लग गया है. घटना की जानकारी पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है. दावा किया जा रहा है कि पीड़िता ने आरोप लगाया है कि शिकायत करने के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है. इस तरह की घटनाएं आए दिन होना एक चिंता का विषय बन गई है.

मुंबई में ठगों ने शख्स से की दोस्ती, फिर नकली सोने के गहने देकर ऐठ लिए 25 लाख, 5 गिरफ्तार

दिव्यांश

मुंबई(संवाददाता)

मुंबई में रविवार को ठगों के एक गिरोह ने कथित तौर पर मुंबई के एक आदमी से 25 लाख रुपये की धोखाधड़ी की। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत की। मामले की सूचना मिलने पर मुंबई पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सभी आरोपी राजस्थान के जालोर जिले के रहने वाले हैं।

पीड़ित दिनेश मेहता (51) मुंबई के मलाड इलाके के रहने वाले हैं। उन्होंने पुलिस में दी गई शिकायत में बताया कि आरोपियों में से एक बाबूलाल भलाराम वाघेला ने राजस्थानी भाषा में बातचीत के दौरान उनसे दोस्ती की और फिर उन्हें ठगी का शिकार बनाया।

मामले को लेकर मलाड पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी वाघेला ने झूठा दावा किया कि उसे नासिक में एक मंदिर के पीछे खुदाई के दौरान

लगभग 900 ग्राम सोने के गहने मिले हैं। वाघेला ने मेहता से गहने बेचने में मदद करने या उन्हें खुद खरीद लेने को कहा। इसके बाद पीड़ित को विश्वास दिलाने के लिए, आरोपी ने उसे कुछ गहने दिखाए और सैंपल के तौर पर कुछ 'सोने' के मोती भी दिए। अधिकारी ने बताया कि मोती सोने के लग रहे थे, जिसके बाद पीड़ित ने कथित तौर पर 25 लाख रुपये नकद देकर आरोपी से गहने खरीद लिए। हालांकि, जब उन्होंने गहनों की जांच कराई तो वे नकली निकले। इसके बाद पीड़ित ने तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान, पुलिस ने 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज के आधार पर, पुलिस ने महाराष्ट्र के पालघर जिले के विरार से 5 आरोपियों को पकड़ लिया।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान बाबूलाल भलाराम वाघेला (55), कोकुबाई बाबूलाल वाघेला (50), मंगलाराम मनाराम वाघरी (34), केसराराम भगताराम वाघरी और भवरलाल बाबूलाल वाघरी के नाम से हुई है।

मामले को लेकर पुलिस ने बताया कि आरोपी बाबूलाल वाघेला आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ पहले से ही कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने उसके घर से 15.45 लाख नकद बरामद किए हैं। इस मामले में एक और आरोपी की तलाश जारी है।

मध्य रेल

खुली निविदा सूचना

निविदा सूचना संख्या BB.M.LTT.TC.52. EDDY.Vol4 dated 26.11.2025. कार्य का नाम : D3 शेड्यूल के दौरान 2 वर्षों की अवधि के लिए - व्हील पर एडी करंट एरे द्वारा सतह दोष का पता लगाने का कार्य। **अंदाजित मूल्य :** Rs. 1,30,90,968/- (रुपये एक करोड तीस लाख नब्बे हजार नौ सौ अडसठ मात्र) **कार्य समापन की तिथि :** 24 महीने **बयाना राशि जमा :** Rs. 2,15,500/- (रुपए दो लाख पंद्रह हजार पाँच सौ मात्र) **निविदा प्रस्तुत करने की समाप्ति का दिनांक और समय :** 19.12.2025 को 11:00 बजे तक । निविदाएं केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से ई-टेंडरिंग प्रारुप में स्वीकार की जाएंगी । निविदा दस्तावेज वेबसाइट में उपलब्ध है। यह निविदा सार्वजनिक खरीद नीति आदेश 2017 / दिनांक 15.06.2017 का अनुपालन करती है।

कोचिंग डिपो अधिकारी, एल.टी.टी.
मुंबई मंडल, मध्य रेल

Apex-726

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

हेडगेवार पर महायुति में रार? 'स्मृति मंदिर' स्मारक नहीं पहुंचे अजित पवार; बोले- हमारा फोकस...

नागपुर।महाराष्ट्र की राजनीति में गर्माहट आम बात है। खासकर तब जब राज्य में किसी भी प्रकार का चुनाव या फिर को राजनीतिक कार्यक्रम हो। तब यही सियासी गर्माहट अपने वास्तविक तपिश को छोड़कर सातवें आसमान पर पहुंच जाती है। इसी क्रम में एक बार फिर बयानबाजी तब तेज हो गई जब महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार रविवार को नागपुर में आरएसएस संस्थापक केबी हेडगेवार के स्मारक नहीं पहुंचे। इस बात को आधार पर बनाकर चर्चा इस बात की भी तेज हो गई कि क्या हेडगेवार को लेकर महायुति गठबंधन के दलों में रार चल रहा है?

हालांकि राजनीतिक गलियारों में बढ़ती चर्चा को देखते हुए एनसीपी ने अजित पवार के नागपुर नहीं जाने के पीछे का कारण साफ किया। पार्टी ने बयान जारी अपना रुख साफ करते हुए कहा कि वह महायुति गठबंधन में राज्य के विकास के लिए शामिल हुई है, न कि किसी विचारधारा को अपनाने के लिए।

विचारधारा नहीं, विकास पर है फोकस- आनंद परांजपे

मामले में एनसीपी के प्रवक्ता आनंद परांजपे ने कहा कि पार्टी की विचारधारा सामाजिक सुधारकों शाहू महाराज, ज्योतिबा फुले और डॉ. भीमराव आंबेडकर के प्रगतिशील विचारों पर आधारित है। उन्होंने यह भी कहा कि यह पहली बार नहीं है जब अजित पवार हेडगेवार स्मारक नहीं गए हैं।

बता दें कि रविवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

और भाजपा व शिवसेना के कई विधायक आरएसएस के स्मृति मंदिर पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि दी। हालांकि दूसरी ओर अजित पवार और एनसीपी के अन्य नेता इस कार्यक्रम से दूर रहे।

महाराष्ट्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र

दरअसल महाराष्ट्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र इस समय नागपुर में चल रहा है। हर साल इस दौरान भाजपा के मंत्री और विधायक हेडगेवार और संघ के दूसरे सरसंघचालक एमएस गोलवलकर के स्मारक पर जाते हैं। पिछले साल एनसीपी की ओर से केवल दो विधायक ही वहां पहुंचे थे।

कांग्रेस ने भी एनसीपी पर साधा निशाना

गौरतलब है कि इस मुद्दे पर कांग्रेस ने भी एनसीपी पर निशाना साधा। कांग्रेस प्रवक्ता सचिन सावंत ने कहा कि अगर एनसीपी आरएसएस की विचारधारा से सहमत नहीं है, तो सत्ता में बने रहना मुश्किल है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस लोकतंत्र और संविधान को कमजोर करने वाली सोच को बढ़ावा देता है। सचिन सावंत ने यह भी कहा कि आरएसएस को अब तक यह साफ करना चाहिए कि हिंदुत्व का असली मतलब क्या है। उन्होंने दावा किया कि संघ की बैठकों में बौद्धिक चर्चा से ज्यादा समाज को बांटने वाली बातें होती हैं।

महाराष्ट्र विधानसभा सत्र खत्म, विपक्ष का सरकार पर हमला, लगाए गंभीर आरोप

मुंबई(संवाददाता) ।महाराष्ट्र विधानमंडल का शीतकालीन सत्र संपन्न होने के बाद आज विपक्ष ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर सरकार पर जोरदार हमला बोला. विपक्ष विभिन्न गंभीर मुद्दों को उठाकर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है, वहीं सत्तारूढ़ दल भी सख्ती से पलटवार कर रहा है. इसी बीच, विपक्ष ने पुणे के एक कथित जमीन घोटाले में उप मुख्यमंत्री अजित पवार के पुत्र पार्थ पवार पर लगे आरोपों को जोर-शोर से उठाया है.

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विपक्ष नेता विजय वडेट्टीवार ने इस मुद्दे पर सरकार को सीधी चेतावनी दी और व्यंग्यात्मक तंज कसे. उन्होंने कहा कि 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा' नहीं, 'आधा-आधा बांटकर खाएंगे'

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए विजय वडेट्टीवार ने सरकार की नीति और नीयत पर सीधा हमला बोला. उन्होंने उपमुख्यमंत्री अजित पवार के कथित आदर्श वाक्य पर कटाक्ष करते हुए कहा, 'अगर बाड़ ही खेत खाने लगे और वह साफ दिखाई दे रहा हो... मैं कल भी कह रहा था 'न खाऊंगा और न खाने दूंगा', लेकिन डअब.जो मिलेगा वह आधा-आधा बांटकर खाएंगे.'

19 दिसंबर को बदलेगा देश का प्रधानमंत्री? कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण के दावे से हलचल तेज

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

देश की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने ऐसा दावा किया है, जिसने सियासी गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है.

उन्होंने कहा है कि 19 दिसंबर को भारत का प्रधानमंत्री बदल जाएगा और इस बार देश को एक मराठी प्रधानमंत्री मिलेगा. यह बयान उन्होंने पिंपरी-चिंचवड़ में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिया.

पृथ्वीराज चव्हाण ने इसी महीने यह दावा दूसरी बार किया है. इससे पहले भी उन्होंने सांगली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इसी तरह की बात कही थी. चव्हाण का कहना है कि वह लंबे समय तक प्रधानमंत्री कार्यालय में काम कर चुके हैं और दिल्ली के राजनीतिक हालात को समझते हैं. यही वजह है कि उनके बयान को हल्के में नहीं लिया जा रहा, हालांकि ठोस सबूतों के अभाव में सवाल भी उठ रहे हैं.

अपने बयान में पृथ्वीराज चव्हाण ने अमेरिका की राजनीतिक घटनाओं का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि अमेरिका में एक व्यक्ति, जो इजराइल का गुप्तचर बताया जा रहा है, उसने कई बड़े नेताओं के बंगलों में कैमरे लगाकर स्टिंग ऑपरेशन किया था. इस स्टिंग ऑपरेशन से जुड़े खुलासे जल्द सामने आने वाले हैं, जिससे कई बड़े चेहरों से पर्दा उठ सकता है.

चव्हाण के मुताबिक, अमेरिका में एक नया कानून लाया जा रहा है और उसी के तहत 19 दिसंबर को इन बड़े नेताओं के नाम सार्वजनिक किए जाएंगे. उन्होंने यह भी साफ किया कि उन्हें खुद नहीं पता कि ये नेता कौन हैं, लेकिन इसके असर पूरी दुनिया की राजनीति पर दिख सकते हैं.

पृथ्वीराज चव्हाण ने अमेरिका में जेफ्री एपस्टीन फाइल्स का भी हवाला दिया. उन्होंने कहा कि इन फाइल्स के सामने आने से अमेरिका में भारी राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया है. डोनाल्ड ट्रंप की स्थिति भी इस वजह से कमजोर होती दिख रही है.

हाल ही में डेमोक्रेटिक समिति द्वारा डोनाल्ड ट्रंप और जेफ्री एपस्टीन के साथ मौजूद 19 तस्वीरें सार्वजनिक किए जाने के बाद वहां सियासी बवाल मचा हुआ है. चव्हाण का मानना है कि इन्हीं घटनाओं का असर भारत तक भी पहुंच सकता है.

मध्य रेल

ई-निविदा सूचना: NGP/L/2025/ T/27R16 Date: 05.12.2025

वरिष्ठ मं. विद्युत इंजीनियर (सा) मध्य रेलवे नागपुर, कार्यालय डीआरएम बिल्डिंग नागपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से ई-निविदा आमंत्रित किए जाते है। **ई-निविदा सूचना और कार्य का नाम:** नागपुर डिवीजन में नागपुर, अजनी और आमला स्टेशनों की रेलवे कॉलोनी पर बिजली आपूर्ति व्यवस्था और एलटी ओवरहेड लाइनों के पुनर्वास के लिए विद्युत कार्य। **अनुमानित लागत रुपये में:** 2,27,89,895.52/- (रुपये दो करोड सत्ताईस लाख नवास्सी हजार आठ सौ पंचानवे और बावन पैसे मात्र) **बयाना राशि रुपये में:** 2,64,000/- **टेंडर डॉक्युमेंट की कीमत रुपये में:** Nil **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 12 माह। यह ऑफर 60 दिनों तक खुला रहेगा। **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय:** 07.01.2026 upto 11.00 Hrs. **निविदा खुलने की की तिथि एवं समय:** 07.01.2026 upto 11.15 Hrs. **वेब साइट: www.ireps.gov.in** टेंडर से संबन्धित नोटिस वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, मध्य रेलवे नागपूर, कार्यालय, डीआरएम बिल्डिंग नागपुर में उपलब्ध है। इसके पश्चात किसी भी शुद्धिपत्र को केवल वेब साइट पर देखा जा सकता है।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य)
मध्य रेलवे, नागपुर

Apex-58/338

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

'प्रोजेक्ट महादेवा' 2034 फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए टैलेंटेड खिलाड़ी तैयार करेगा - मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और दुनिया के फुटबॉल आइकन लियोनेल मेसी ने प्रोजेक्ट महादेवा लॉन्च किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मिशन ओलंपिक्स 2026 के तहत महाराष्ट्र से ज़्यादा गोल्ड मेडल जीतने और 2034 तक फुटबॉल वर्ल्ड कप की तैयारी के मकसद से 'प्रोजेक्ट महादेवा' शुरू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उम्मीद जताई कि इस प्रोजेक्ट से ज़रूर टैलेंटेड खिलाड़ी तैयार होंगे।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की लीडरशिप में महाराष्ट्र सरकार ने आज वानखेड़े स्टेडियम में एक स्टेट-लेवल स्पोर्ट्स इनिशिएटिव, 'प्रोजेक्ट महादेवा' लॉन्च किया। 'प्रोजेक्ट महादेवा' को महाराष्ट्र इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मेशन, विलेज सोशल ट्रांसफॉर्मेशन फाउंडेशन, वेस्टर्न इंडिया फुटबॉल एसोसिएशन, CIDCO और महाराष्ट्र सरकार के स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट समेत कई ऑर्गनाइज़ेशन की मदद से चलाया जा रहा है।

वर्ल्ड फुटबॉल आइकन लियोनेल मेसी, अर्जेंटीना के पूर्व खिलाड़ी लुइस सुआरेज़ और रोड्रिगो डी पॉल, स्पोर्ट्स मिनिस्टर मानिकराव कोकाटे, MP प्रफुल्ल पटेल, भारत रत्न सचिन तेंदुलकर, पॉपुलर इंडियन फुटबॉलर सुनील छेत्री, इंडियन फुटबॉल टीम के कैप्टन राहुल भेके, महाराष्ट्र इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मेशन के CEO प्रवीण परदेशी, मिसेज अमृता देवेंद्र फडणवीस, गोट टूर के प्रमोटर सत्तादुर दत्ता, टाइगर श्रॉफ, अजय देवगन, कार्तिक आर्यन, डिनो मोरिया, जिंदल ग्रुप के पार्थ जिंदल, वेदांत जिंदल और कई दूसरे जाने-माने लोग मौजूद थे।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि 'प्रोजेक्ट महादेवा' महाराष्ट्र सरकार की एक ज़रूरी पहल है, जिसे पूरे राज्य में युवा फुटबॉल टैलेंट (13 साल से कम उम्र के) की पहचान करने और हाई-क्वालिटी फुटबॉल खिलाड़ी तैयार करने के लिए शुरू किया गया है। इस पहल के तहत, स्कॉलरशिप, विदेशी कोच से वर्ल्ड-क्लास ट्रेनिंग और हर तरह के विकास के मौके दिए जाएंगे। चुने गए 60 खिलाड़ियों (30 लड़के, 30 लड़कियां) को पांच साल के लिए पूरी रेजिडेंशियल स्कॉलरशिप मिलेगी। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि टॉप खिलाड़ी FIFA वर्ल्ड कप में ज़रूर खेलेंगे।

ऑडियंस के सपोर्ट के बिना हम आगे नहीं बढ़ सकतेः सचिन तेंदुलकर

भारत रत्न सचिन तेंदुलकर ने कहा, 'मैं वर्ल्ड-क्लास फुटबॉलर लियोनेल मेसी और उनके टीम-मेट्स के इंडिया और मुंबई आने पर सभी का बहुत शुक्रगुजार हूं। जिस तरह से मुंबईकरों ने इन तीनों का वेलकम किया, वह कभी न भूलने वाला है। मुंबई सपनों का शहर है। आज का पल कभी न भूलने वाला है। ऑडियंस के सपोर्ट के बिना हम आगे नहीं बढ़ सकते। आज मुझे वानखेड़े स्टेडियम में हुआ 2011 क्रिकेट वर्ल्ड कप याद आ गया। आज का पल सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। स्पोर्ट्स में प्लेयर्स के लिए लगन बहुत ज़रूरी है। लियोनेल मेसी एक वर्ल्ड-क्लास प्लेयर हैं और उनमें सेंसिटिविटी बहुत ज़रूरी है। मैं इस मैसेज के लिए उनका शुक्रिया अदा करता हूं और मेसी और उनके परिवार की अच्छी हेल्थ की दुआ करता हूं।

वानखेड़े स्टेडियम में लियोनेल मेसी के नाम का जश्न मनाया गया

जैसे ही वर्ल्ड फुटबॉल प्लेयर लियोनेल मेसी ने फुटबॉल फैंस को फुटबॉल ऑडियंस की तरफ फेंका, ऑडियंस ने लियोनेल मेसी के नाम पर चीयर किया। पूरा फील्ड मेसी के नाम से गूंज रहा था। इस समय वर्ल्ड फुटबॉल प्लेयर लियोनेल मेसी सचिन तेंदुलकर ने सचिन तेंदुलकर के नाम की दस नंबर की जर्सी दी। दुनिया के फुटबॉल प्लेयर लियोनेल मेसी ने भी सचिन तेंदुलकर को एक फुटबॉल गिफ्ट की। दुनिया के फुटबॉल प्लेयर लियोनेल मेसी ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक जर्सी गिफ्ट की। पार्थ जिंदल, वेदांग जिंदल ने जिंदल ग्रुप की ओर से विलेज सोशल ट्रांसफॉर्मेशन फाउंडेशन के ज़रिए प्रोजेक्ट महादेव को 75 लाख रुपये का चेक दिया।

नागपुर में फ्री-होल्ड लीज प्रॉपर्टीज़ पर विचार किया जाएगा- मंत्री शंभूराज देसाई

नागपुर। नागपुर नगर निगम और इम्प्रूवमेंट अथॉरिटी की लीज पर दी गई प्रॉपर्टीज़ के बारे में एग्रीमेंट संबंधित नियमों और शर्तों के अनुसार चल रहे हैं। हालांकि, इन प्रॉपर्टीज़ को प्लॉट गए प्लॉट और प्रॉपर्टीज़ का मुद्दा एक आकर्षक सुझाव के ज़रिए उठाया, जिस पर मंत्री देसाई ने भी जानकारी दी। इस संबंध में, मंत्री देसाई ने कहा कि इस बारे में शहरी विकास, कानून और

मालिकों या प्रॉपर्टी मालिकों को फ्री-होल्ड पर देने का प्रस्ताव हाल ही में मिला है, इसलिए इसकी तुरंत जांच की जाएगी, मंत्री शंभूराज देसाई ने यह जानकारी दी।

विधानसभा सदस्य प्रवीण दटके ने नागपुर नगर निगम और नागपुर इम्प्रूवमेंट अथॉरिटी द्वारा लीज पर दिए न्याय विभाग और वित्त विभाग से फीडबैक लिया जाएगा। साथ ही, फ्री-होल्ड प्रॉपर्टीज़ के लिए एक अलग और व्यापक पॉलिसी बनानी होगी। उन्होंने बताया कि एक नगर निगम के लिए लिया गया फैसला भविष्य में पूरे राज्य पर लागू हो सकता है, इसलिए एक पॉलिसीगत फैसला ज़रूरी है।

ठाणे शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या को तेज़ी से सुलझाने के उपाय; काम फरवरी 2026 तक पूरा हो जाएगा - राज्य मंत्री योगेश कदम

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नागपुर। राज्य मंत्री योगेश कदम ने विधान परिषद को बताया कि राज्य सरकार ने ठाणे शहर में 42-मीटर सड़क पर एक साथ चल रहे पानी की सप्लाई प्रोजेक्ट, मेट्रो और फ्लाईओवर के कामों और बढ़ते ट्रैफिक से होने वाले जाम को खत्म करने के लिए चरणबद्ध समाधान की योजना बनाई है।

सदस्य एडवोकेट निरंजन डावखरे ने ठाणे शहर में घोड़बंदर रोड पर ट्रैफिक जाम के बारे में एक दिलचस्प सुझाव दिया। राज्य मंत्री कदम इसी का जवाब दे रहे थे।

राज्य मंत्री कदम ने कहा कि सर्विस रोड पर पानी की सप्लाई योजना का काम फरवरी 2026 तक पूरा हो जाएगा, जिसके बाद सर्विस रोड पूरी क्षमता से ट्रैफिक के लिए खोल दी जाएगी। सड़क के बीच में चल रहे मेट्रो का काम अप्रैल 2026 तक पूरा करने की योजना है। सर्विस रोड को मिलाकर सड़क को चौड़ा करने का काम चल रहा है, और लगभग 60 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। खाड़ीगांव बाईपास और गैमुख-घाट

सेक्शन का काम शईंअ्ण और श्ईईं के ज़रिए किया जा रहा है, और राज्य मंत्री योगेश कदम ने भरोसा जताया कि इन प्रोजेक्ट्स के पूरा होने के बाद इस सड़क पर ट्रैफिक जाम काफी हद तक कम हो जाएगा।

विदर्भ में संतरे, ग्रेपफ्रूट और खट्टे फलों के किसानों की स्थायी प्रगति के लिए ठोस और रणनीतिक फैसले लेंः कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में नागपुर में उच्च स्तरीय बैठक संपन्न हुई!

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नागपुर। विदर्भ में संतरे, ग्रेपफ्रूट और खट्टे फलों के किसानों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाना, साथ ही इस क्षेत्र में फलों के उत्पादन को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाना बहुत महत्वपूर्ण है। इस संबंध में, कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने आश्वासन दिया कि सरकारी स्तर पर ठोस और रणनीतिक फैसले लिए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि नेशनल हॉर्टिकल्चर बोर्ड के साथ नर्सरी का रजिस्ट्रेशन और सभी नर्सरी की रेटिंग अनिवार्य की जाएगी।

विदर्भ में संतरे और खट्टे फलों के किसानों की स्थायी प्रगति के लिए आवश्यक नीतिगत फैसले लेने के लिए नागपुर में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य महाराष्ट्र फल नर्सरी (विनियमन) अधिनियम, 1969 में खट्टे फलों की फसलों के अनुसार संशोधन करना था। वे इस अवसर पर बोल रहे थे। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, बागवानी मंत्री भरत गोगवले, कृषि राज्य मंत्री एडवोकेट आशीष जायसवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव विकास चंद्र रस्तोगी, कृषि आयुक्त सूरज मांधरे, बागवानी निदेशक अंकुश माने, डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. शरद गडाख और कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे।

नितिन गडकरी ने निर्देश दिया कि कृषि विश्वविद्यालय 20 मॉडल नर्सरी, थिनिंग के लिए AI-आधारित मशीनरी, संतरे के मॉडल फार्म और कृषि विश्वविद्यालय के तहत अन्य आवश्यक अनुसंधान के लिए एक प्रस्ताव प्रस्तुत करे, और कृषि विश्वविद्यालय को प्राथमिकता के आधार पर पर्याप्त सहायता प्रदान की जाएगी। नितिन गडकरी ने विदर्भ में फलों के महत्व और किसानों की प्रगति कैसे हासिल की जाए, इस पर मार्गदर्शन दिया। इस मीटिंग में मौजूदा नर्सरी कानून में बदलाव करने, विदर्भ में संतरे, कीनू और खट्टे फलों की नर्सरी के लिए सबसे अच्छी क्वालिटी का होना ज़रूरी बनाने, नर्सरी लाइसेंस जारी करते समय साफ तौर पर पक्के नियम, शर्तें और ज़रूरी टेक्निकल बातों को शामिल करने, प्लांटिंग मटीरियल को सबसे अच्छी क्वालिटी का बनाने, रूट स्टॉक और मदर स्टॉक को स्टैंडर्ड क्वालिटी का बनाना ज़रूरी करने, हर नर्सरी मालिक के लिए पौधों के प्रोडक्शन की कम से कम और ज़्यादा से ज़्यादा लिमिट तय करने और सही अनुपात तय करने, मौजूदा नर्सरी को सुधार के लिए 3-5 साल का समय देने, भविष्य में सभी नए लाइसेंस सिर्फ़ नई पॉलिसी के हिसाब से जारी करने, रंगपुर, जबेरी और अनलिमो रूट स्टॉक की प्लांटिंग और सप्लाई को ज़रूरी बनाने, इस रूट स्टॉक के असरदार डेवलपमेंट काम के लिए ॅ्ण और इ्ख्र की पहल करने, ऐसी जगहों पर नर्सरी चलाने की इजाज़त न देने जहां कोई बगीचा नहीं है, पौधों की क्वालिटी कंट्रोल और एक जैसे रेट तय करने, ध्र्ं का एक्रेडिटेशन ज़रूरी करने, पैकेट में पौधों का साइज़ कम से कम 812 करने, कितने पौधे 10 साल तक बिक्री के लिए सही माने जाएंगे, इस बारे में एक साफ पॉलिसी बनाने, यह पक्का करने कि हर प्लांट लॉट सर्टिफाइड हो और सर्टिफिकेशन के लिए ऑफिशियल नियम और अथॉरिटी तय करने, नर्सरी मालिकों के लिए एक अलग डिजिटल पोर्टल बनाने, जिस पर वे नर्सरी की फोटो/वीडियो और टेक्निकल जानकारी अपलोड करेंगे, जिससे किसानों के लिए क्वालिटी पहचानना और सही खरीदारी करना आसान हो जाएगा, जैसे टॉपिक पर चर्चा हुई। मीटिंग इन सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा और पक्के फैसले लेने के साथ खत्म हुई।

कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने कहा कि आज की मीटिंग में जिन मुद्दों पर चर्चा हुई, वे विदर्भ के संतरा किसानों की भलाई के लिए बहुत ज़रूरी हैं। ये फैसले प्रोडक्ट की क्वालिटी, एक्सपोर्ट की संभावना और ग्लोबल मार्केट में कॉम्पिटिशन को काफी बढ़ाएंगे।

विदर्भ में विकास की गौरव गाथा लाने के लिए प्रतिबद्ध मुंबई सुपरफास्ट... महाराष्ट्र सुपरफास्ट। बालासाहेब के चरणों में मुंबईकरों के लिए लिए गए फैसले समर्पित - उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

साल के आखिरी हफ्ते में किए गए विकास कार्यों की समीक्षा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नागपुर। सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सभी के लिए घर' की अवधारणा को साकार करने और आम मुंबईकरों के लिए घर के सपने को पूरा करने के लिए कई क्रांतिकारी फैसले लिए हैं। मुंबई में रीडेवलपमेंट में आने वाली बाधाओं को दूर करके मुंबईकरों को बड़ी राहत दी है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधान परिषद में अपनी भावना व्यक्त करते हुए कहा कि 23 जनवरी से हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे की जन्म शताब्दी के अवसर पर मुंबईकरों के लिए ये योजनाएं लाकर वे बालासाहेब के चरणों में पुष्प अर्पित कर रहे हैं। यह कहते हुए कि मुंबई के गतिशील विकास के कारण महाराष्ट्र सुपरफास्ट गति से विकास कर रहा है, उपमुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि विदर्भ भी विकास की गौरव गाथा हासिल करे।

उपमुख्यमंत्री शिंदे विधान परिषद में पिछले सप्ताह की बहस का जवाब देते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा, सरकार ने मुंबई में लगभग 20 हजार इमारतों को राहत दी है जिनके पास OC नहीं है। इस फैसले से 2.5 लाख से ज़्यादा परिवारों और 10 लाख से ज़्यादा नागरिकों को फायदा होगा। नवी मुंबई में घर खरीदने वालों के लिए अच्छी खबर है और CIDCO के घरों की कीमत सीधे 10 प्रतिशत कम करने का फैसला किया गया है।

मुंबईकरों के आवास के सपनों को पूरा करने के लिए

मुंबई को झुग्गी-झोपड़ी मुक्त बनाने के लिए, 50 एकड़ से बड़े भूखंडों पर 'SRA क्लस्टर रीडेवलपमेंट' लागू करने का फैसला किया गया है। SRA योजनाओं के लिए मंज़ूरी की अवधि 120 दिन से घटाकर 60 दिन कर दी गई है। रमाबाई अंबेडकर नगर में पुनर्वास परियोजना पर भी काम शुरू हो गया है।

मुंबई के गतिशील विकास के लिए

मुंबई और आसपास के क्षेत्रों के लिए लिए गए महत्वपूर्ण फैसलों और योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए, उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के निवासियों को 5 किमी के दायरे में वैकल्पिक घर दिए जाएंगे। बंद मिलों में 1 लाख श्रमिकों के वारिसों को घर देने की योजना। फनल ज़ोन और डिफेंस ज़ोन के कारण रुकी हुई इमारतों के रीडेवलपमेंट के लिए नई नीति। महालक्ष्मी रेस कोर्स और कोस्टल रोड की जगह पर 300 एकड़ का एक शानदार 'सेंट्रल पार्क' बनाना, हर नगर पालिका में 'नमो गार्डन' बनाना, वर्सोवा से भायंदर तक 26 किमी लंबी कोस्टल रोड को भी बॉम्बे हाई कोर्ट ने मंज़ूरी दे दी है। BKC समेत पूरे MMR में पॉड टैक्सी शुरू की जा रही हैं। रिक्लेमेशन से BKC होते हुए नए एयरपोर्ट तक एक अंडरग्राउंड टनल बनाई जा रही है। उपमुख्यमंत्री ने यह भी भरोसा दिलाया कि इन प्रोजेक्ट्स से मुंबई में ट्रैफिक जाम और कम होगा और मुंबई और भी ज़्यादा डायनामिक बनेगी।

कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड की योजनाओं के वित्तीय लेन-देन की जांच होगी; दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी- आकाश फंडकर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नागपुर। श्रम मंत्री एडवोकेट आकाश फंडकर ने विधान परिषद को बताया कि महाराष्ट्र बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड द्वारा लागू की गई व्यक्तिगत लाभ योजनाओं में वित्तीय लेन-देन की जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सदस्य अभिजीत वंजारी द्वारा उठाए गए एक सवाल का जवाब देते हुए मंत्री फंडकर ने कहा कि सामाजिक, शैक्षिक और स्वास्थ्य सहायता के साथ-साथ ज़रूरी और घरेलू उपयोग की किट प्रदान करने वाली योजनाओं के संबंध में शिकायतें मिली हैं और इस संबंध में एक विशेष अभियान शुरू किया गया है। कुछ जिलों में निरीक्षण के बाद अनियमितताएं पाए जाने पर आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं।

मंत्री फंडकर ने कहा कि चूंकि रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया ऑनलाइन है, इसलिए नकली दस्तावेज़ों के इस्तेमाल की संभावना की जांच की जा रही है और अगर कोई दोषी अधिकारी या व्यक्ति पाया जाता है, तो किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

पशुपालन और खेती के जानवरों को पालने के संबंध में सरकार की भूमिका संवेदनशील - पशुपालन मंत्री पंकजा मुंडे

नागपुर। मवेशियों के संरक्षण और खेती के जानवरों को पालने के संबंध में सरकार की भूमिका बहुत संवेदनशील है। अगर मवेशियों को बचाना है, तो खेती के जानवरों को पालना महत्वपूर्ण है। इसलिए, महाराष्ट्र देश का एकमात्र राज्य है जो गायों की सुरक्षा के लिए बड़े पैमाने पर सब्सिडी देता है, और इस मामले में राज्य देश में पहले स्थान पर है, यह जानकारी पशुपालन मंत्री पंकजा मुंडे ने दी। विधानसभा सदस्यों विजय वडेट्टीवार, विक्रम पाचपुते, शेखर निकम, डॉ. संजय कुटे द्वारा उठाए गए तारांकित प्रश्नों का जवाब देते हुए, मंत्री मुंडे ने कहा कि ये प्रश्न नहीं बल्कि सकारात्मक सुझाव हैं और सरकार पहले से ही उन पर कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि मवेशियों को पालने के लिए चारे का विकास और बारिश के पूर्वानुमान के अनुसार चारे का प्रबंधन जैसी गतिविधियाँ सरकार की नियमित कार्यप्रणाली का हिस्सा हैं। मंत्री मुंडे ने कहा कि मवेशी न केवल दूध के लिए उपयोगी हैं, बल्कि गोबर और मूत्र का भी कृषि के लिए बहुत सकारात्मक तरीके से उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक बार जब गाय की रक्षा का फैसला ले लिया गया है, तो इससे पीछे हटने का कोई सवाल ही नहीं है। इसके विपरीत, सरकार भविष्य में इस योजना को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रयास करती रहेगी।

भंडारा जिला परिषद के प्रभारी शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) को पद से हटाने और फिर से जांच का आदेश - स्कूल शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे

नागपुर। भंडारा जिला परिषद से प्रभारी शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) का पद हटा दिया गया है और आने वाले दिनों में स्थायी शिक्षा अधिकारी की नियुक्ति के लिए निश्चित व्यवस्था की जाएगी, ऐसा स्कूल शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे ने कहा।

स्कूल शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे विधान परिषद सदस्य सुधाकर अडबाले द्वारा इस संबंध में उठाए गए महत्वपूर्ण सुझावों का जवाब दे रहे थे।

स्कूल शिक्षा मंत्री भुसे ने कहा कि प्रशासनिक स्तर पर तत्काल निर्णय लिया गया है और फिर से जांच के आधार पर दोषियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस मामले से संबंधित भंडारा जिला परिषद के वेतन टीम अधीक्षक (माध्यमिक) के पद को भी हटाने का निर्णय लिया गया है। उनकी जांच के दौरान सुनी गई बातों पर विस्तृत जानकारी ली जाएगी और नई जांच की रिपोर्ट मिलने के बाद उसी के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी, ऐसा भी उन्होंने इस अवसर पर कहा।

गोंदिया जिले में एक अधिकारी के भ्रष्टाचार के मामले में विभाग के माध्यम से जांच की जाएगी - उपमुख्यमंत्री अजीत पवार

नागपुर। गोंदिया जिले में CMR चावल की जमाखोरी के मामले में जांच की जाएगी। साथ ही, इस मामले में जिला आपूर्ति अधिकारी की जांच भ्रष्टाचार निरोधक विभाग द्वारा की जाएगी, यह जानकारी उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने विधानसभा में दी।

विधायक नाना पटोले ने गोंदिया जिले में CMR चावल के स्टॉक के संबंध में एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया था। वे उस समय बोल रहे थे।

इस अवसर पर जानकारी देते हुए राज्य मंत्री योगेश कदम ने कहा कि वर्ष 2023-24 के लिए आवश्यक FRK आपूर्ति की आवश्यकता पूरी कर दी गई है, और कुल 2,435 मीट्रिक टन FRK की आवश्यकता पूरी की गई है। 2021-22 में केंद्र सरकार की टीम द्वारा किए गए निरीक्षण में कुछ अनियमितताएं पाई गईं। उसके बाद, संबंधित चावल को अनुपयुक्त घोषित कर गोदाम में रख दिया गया। हालांकि, जिला कलेक्टर के निरीक्षण के बाद, एक रिपोर्ट दी गई कि चावल उपयुक्त है। यह मामला वर्तमान में विचाराधीन है क्योंकि संबंधित चावल मिल मालिकों ने इस फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। अदालत के अंतिम फैसले तक इस चावल का उपयोग नहीं किया जा सकता है।

इस संदर्भ में, 29 जुलाई 2025 को एक मंत्री स्तरीय बैठक हुई थी। उस बैठक में चावल की गुणवत्ता का फिर से निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए थे। तदनुसार, प्राप्त रिपोर्ट से यह स्पष्ट हो गया है कि चावल मानव और पशु दोनों के उपभोग के लिए अनुपयुक्त है, और नियमों के अनुसार इसे निपटाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी, उन्होंने आगे कहा।

राज्य मंत्री कदम ने कहा कि उसी जिले में लंबे समय तक तालुका और जिला स्तर पर आपूर्ति अधिकारियों की नियुक्ति के मुद्दे पर जांच की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जब संबंधित अधिकारियों पर आरोप हैं तो उन्हें कई वर्षों तक एक ही स्थान पर रखना सही नहीं है और कहा कि ऐसे अधिकारियों को उचित स्थान पर स्थानांतरित करने के लिए निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

मशीन पर इंसान की निर्भरता हो सकती है घातक, चैटजीपीटी के विवाद ने कैसे खोली तकनीकी खामियों की पोल

कोई भी तकनीक अगर मनुष्य के लिए सहयोगी की भूमिका में है, तो वह बेशक फायदेमंद हो सकता है, लेकिन वह अगर निर्भरता का मामला बनता है तो उसके घातक नतीजे भी सामने आ सकते हैं। इस लिहाज से देखें तो समूची दुनिया में इंटरनेट के तेजी से विस्तार के साथ मनुष्य को अपने जीवन के विविध पक्षों के लिए बहुस्तरीय सुविधाएं मिली हैं, लेकिन इसके नए स्वरूप ने कुछ ऐसी स्थितियां भी पैदा की हैं, जिससे पार पाना अब एक अहम चुनौती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआइ के अलग-अलग मंचों ने आज हरेक विषय पर जानकारी हासिल करने से लेकर कई स्तर पर अपनी उपयोगिता की वजह से व्यापक जगह बना ली है।

इसी क्रम में एक पहलू इस तकनीक के साथ संवाद भी है, जहां किसी व्यक्ति के अमूमन हर तरह के सवाल का जवाब मिल सकता है। यह अलग बात है कि उसके सही या गलत होने की परख के लिए इंसान को अपने विवेक को सजग रखना चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की इस खासियत का प्रचार-प्रसार तो बहुत हुआ, लेकिन इसकी सीमाओं के बारे में ज्यादातर लोगों के पास ठोस जानकारी और उसके उपयोग के लिए उचित प्रशिक्षण नहीं है। यह बेवजह नहीं है कि कई बार लोग और खासतौर पर बच्चे एआइ के साथ संवाद के क्रम में उलझ जाते हैं या फिर भ्रम का शिकार होकर कोई प्रतिगामी कदम भी उठा लेते हैं।

कोई आनलाइन गेम खेलते हुए बच्चों के आत्महत्या कर लेने की खबरें पहले भी आती रही हैं, लेकिन अब कुछ मामलों में एआइ से संवाद को हत्या तक के लिए जिम्मेदार बताया जाने लगा है। गौरतलब है कि अमेरिका में सैन फ्रांसिस्को के कनेक्टिकट में एक तिरासी वर्ष की बुजुर्ग महिला के परिजनों ने हत्या और आत्महत्या के मामले में चैटजीपीटी की भूमिका को लेकर ओपनएआइ और माइक्रोसाफ्ट के खिलाफ एक मुकदमा दायर किया है। इसमें यह आरोप लगाया गया है कि एआइ वाले चैटबाट ने बेटे के मन में अपनी मां के बारे में भ्रम और संदेह को इतना बढ़ाया कि उसने मां की हत्या करके आत्महत्या कर ली।

अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इस एआइ ने हत्या करने वाले व्यक्ति के मन में सबके साथ-साथ अपनी मां के प्रति भी केवल शक और आशंका भर दी। उसे चैटजीपीटी को छोड़ कर अन्य किसी की भी बात पर विश्वास नहीं रहा। इस तरह की अनेक घटनाएं यही दर्शाती हैं कि हर बात या काम के लिए एआइ या आधुनिक तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता कैसे इंसान की संवेदना, उसके आत्मविश्वास और यहां तक कि विवेक को निष्क्रिय कर दे सकती है, जिसके बाद व्यक्ति अपनी सोच-समझ से कोई भी प्रतिक्रिया दे सकने में अक्षम हो जाता है। आज अपने आसपास देखा जा सकता है कि लोग आधुनिक तकनीक को जरूरत से ज्यादा अहमियत देने, उसमें लीन रहने के क्रम में कैसे मानवीयता और संवेदना के मूल्यों को कोई पिछड़ा या दोयम दर्जे का मूल्य मानने लगे हैं।

ऐसी स्थिति में कई बार एक शख्स किसी अन्य व्यक्ति की बातों को संदेह की नजर से देखता है या फिर उसे अधूरा मानता है, लेकिन समान संदर्भ में वह एआइ की बातों को अधिक विश्वसनीय और शक से परे मानता है। जबकि एआइ की सीमा उसका मशीनी होना है, जिसकी तुलना मनुष्य की चेतना और उसके विवेक के साथ नहीं की जा सकती। एक बड़े दायरे में एआइ की भूमिका जरूर बढ़ रही है, लेकिन अभी यह जिस अवस्था में है, उसमें इस पर पूरी तरह निर्भरता के अपने खतरे हैं।

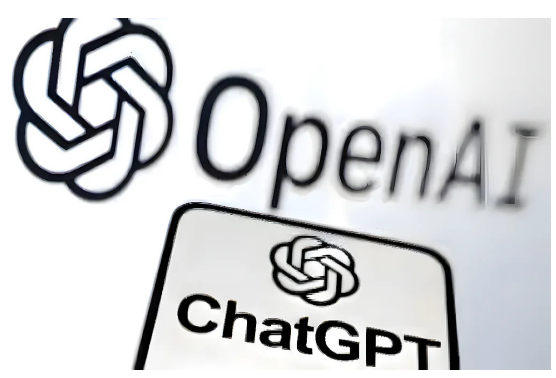

वंदे मातरम पर बहस से खुले इतिहस के पिटारे राजनीतिक वैचारिक टकराव का भी दिखा प्रतिबिंब

वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर संसद में हुई बहस विरासत पर जश्न के साथ-साथ समकालीन राजनीतिक वैचारिक विभाजन का प्रतिबिंब हो गई। स्वाभाविक है, उन लोगों को निराशा हुई होगी, जो बहस में आम सहमति ढूंढ़ना चाहते थे। ऐसा सोचना या अपेक्षा रखना गलत है, क्योंकि बहस जश्न के लिए थी भी नहीं। इतिहास के वे प्रश्न, जो स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राजनीतिक कुलीनों के निर्णयों के आधार पर हमारे बीच आए और आम लोग उस निर्णय प्रक्रिया से दूर रखे गए, उन्हें हम स्थगित वैचारिक बहस कह सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इतिहास के पिटारे को खोल दिया। यह किसी भी राष्ट्र के लिए, विशेषकर भारत के लिए आवश्यकता ही नहीं, सबसे अधिक अपेक्षित है। हम कौन हैं, भारत का अभिप्राय क्या है, हमारी सभ्यता की नींव क्या है और वह वर्तमान में भारत में कितना अहम है! ऐसे प्रश्न बच्चों के लेखों की तरह बताए जाते रहे, जिसमें 'चित भी मेरी, पट भी मेरी' का सिद्धांत था। भ्रम को पाल कर रखना वैसे ही है, जैसे शरीर की बीमारी को छिपाकर रखना। लोकतंत्र में तीखी बहस और दृष्टिकोण की लड़ाई जितनी गहरी होती है, लोकचेतना उतनी ही मजबूत होती है। ऐसी बहसों में शब्दों, भावों, घटनाओं का चयनित उपयोग होना अस्वाभाविक नहीं है। उन बातों में सिमटना मूल उद्देश्य और परिणाम से अपने आपको दूर कर लेना है।

सहमति बनाम दृष्टिकोणों की तीखी लड़ाई पर सबसे अच्छा उदाहरण जर्मनी का है। यह विशेषकर उन लोगों के लिए, अधिक उपयोगी है जो ऐसी बहसों से बचना चाहते हैं। जर्मनी का संविधान 1849 में बना था। वहां जनतांत्रिक प्रश्नों पर बहस लंबी चली थी। उस दौर में जनतंत्र की प्रकृति को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण वाले दो प्रोफेसरों द्वारा जर्मनी की संसद में और संसद के बाहर बहस चलाई गई। जो बहस 1870 के दशक में शुरू हुई, वह 1880 में खत्म हुई। वे दोनों फ्रैंकफर्ट पार्लियामेंट के सदस्य थे। प्रो जीवी स्नेलमैन प्रसिद्ध दार्शनिक हीगेल के समर्थक थे। बहस के दूसरे पक्ष का नेतृत्व प्रो लीयो मेकलिन कर रहे थे। स्नेलमैन मानते थे कि बहस का तीखापन और निरंतर विभाजन का दृष्टिकोण राष्ट्र को कमजोर करता है और जनतंत्र का अवमूल्यन होता है। वे आम सहमति के पक्षधर थे।

इसके विपरीत मेकलिन का मानना था कि कोई भी विषय परम सत्य (पूर्ण) नहीं होता है, न ही राजनीति में कोई पूर्ण विवेक होता है। संदर्भों और परिस्थितियों के अनुसार नई बातें, नए मत और नए प्रस्ताव उभरते है और यही राष्ट्र और जनतंत्र, दोनों की बुनियाद को मजबूत करता है। जर्मनी और भारत, दोनों का संविधान लंबी बहस का जीता जागता उदाहरण है। अंतर सिर्फ बहस करने वालों की पक्षधरता का है। जर्मनी की संविधान सभा (फ्रैंकफर्ट पार्लियामेंट) में विश्वविद्यालय, महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या डेढ़ सौ से अधिक थी। इसलिए इसे 'प्रोफेसरों का पार्लियामेंट' कहा जाता है। भारत का संविधान बनाने वालों में वकीलों की भूमिका अहम थी, इसीलिए राजनीतिक वैज्ञानिक आइकर जेनिंग्स ने इसे 'वकीलों का स्वर्ग' कहा था।

दोनों में एक और अंतर है। जर्मनी में विवादित मुद्दों पर बहस अधूरी नहीं हुई और 'फ्रैंकफर्ट पार्लियामेंट' के साथ बड़ी संख्या में बुद्धिजीवी और आम लोग संसद के बाहर इस बहस में शामिल थे। उस वक्त का अखवार 'हिलसींग फोरस डगबाल्ड' मेकलिन के समर्थन में व्यापक बहस को आगे बढ़ाने का राष्ट्रीय मंच था।

भारत की एक विडंबना रही है। अनेक वैचारिक मुद्दों पर बहस अधूरी या न के बराबर हुई। कब, कैसे और क्यों फैसला हुआ, वह आधा अधूरा ही हमारे सामने है। यह जनतांत्रिक समाज के लिए अनपेक्षित है। उदाहरण के तौर पर संविधान की मूल प्रति में, जो भारत की सभ्यता और सांस्कृतिक यात्रा को चित्रित करने वाले बाईस चित्र थे। उनको संविधान की पुस्तक में लाने और उन्हें हटाने के निर्णय से आम लोग क्या, स्वयं संविधान सभा भी अपरिचित थी। भारत को 'कामनवेल्थ' (राष्ट्रमंडल) का सदस्य बनाना सामान्य निर्णय नहीं था। इसमें एक बड़ा वैचारिक पक्ष शामिल था। इस पर भी एचवी कामथ ने संविधान सभा में पूछा था कि 'हमारे बीच कब प्रस्ताव आया और कब बहस हुई!'

'वंदे मातरम्' को राष्ट्रगान नहीं बनाने पर बहस कुलीनवादी भी नहीं थी, औपचारिक तौर पर सांकेतिकता के साथ निर्णय हुआ। वंदे मातरम् स्वयं में भारत को परिभाषित करने वाला एक सांस्कृतिक विचारधारा का नेतृत्व करता है। इसने राष्ट्रवाद को जागृत किया और राष्ट्रीयता पर बहस का कारण भी बना। उसे बहस का मुद्दा नहीं बनाना बेमानी था। आज उसे आम लोगों के बीच ले जाया जा रहा है।

किसी भी राष्ट्र का सांस्कृतिक पक्ष उसकी बुनियाद का अहम मुद्दा होता है। उससे आंख-मिचौली कर राष्ट्र अपने आपको सशक्त नहीं बना सकता है। न ही बहस में उभरने वाले तथ्यों और तर्कों से भयभीत होना चाहिए। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान सांस्कृतिक पक्ष की उपेक्षा हुई। उपनिवेशवाद सिर्फ राजनीतिक स्वतंत्रता पर ही हमला नहीं था, बल्कि देश की सांस्कृतिक चेतना पर भी आघात था। पर सांस्कृतिक प्रश्नों पर शायद ही प्रस्ताव पारित किया गया। इसके विपरीत अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस साम्राज्यवाद विरोधी लड़ाई में भाषाई, सांस्कृतिक पक्षों को बराबर का महत्त्व देता रहा। आज अफ्रीका अपनी अस्मिता को लेकर भ्रमित नहीं है।

भारत में वैचारिक विविधता एवं विरोधाभास दोनों का होना लाजमी है। इसमें भयभीत होना नहीं चाहिए। हम अध्यात्म से लेकर सामाजिक जीवन में अतिशय बहुलता वाला देश हैं। बहुलता हमारा स्वभाव है, इसलिए भावना और विवेक को एक लगाम से नहीं हांका जा सकता है। उसका विविध और विरोधाभासी बने रहना तब तक विभाजन का कारण नहीं होता है, जब तक हम एक-दूसरे की वैधानिकता स्वीकार कर विचारों की साझेदारी करते हैं। समकालीन राजनीति इसी साझेदारी से बच रही है।

दूसरों की वजह से खुद को न करें दुखी अपने सिद्धांतों को भुलाना देगा ज्यादा पीड़ा

यह बात अक्सर कही जाती है कि प्रेम वह अनुभूति है, जिसे पाने के बाद हम ईश्वर को धन्यवाद देते हैं। जब कोई हमारे जीवन में आता है और उसके साथ होने पर हमारे मन में कृतज्ञता की भावना नहीं उठती, तो यह सोचना चाहिए कि वह प्रेम है भी या नहीं। अगर किसी व्यक्ति के साथ होने पर हमें ऐसा न लगे कि इस क्षण के लिए ईश्वर का धन्यवाद करना चाहिए, तो संभव है कि वह प्रेम न होकर केवल आदत, मोह या कोई क्षणिक आकर्षण हो। प्रेम वह है, जो आत्मा को शांत करता है, दिल को गहराई से छूता है और जीवन के प्रति आभार से भर देता है। कई बार हम जिसे प्रेम समझ बैठते हैं, वह केवल किसी की उपस्थिति का मोह होता है। एक ऐसा मोह जो अक्सर प्रेम से भी अधिक जटिल और खतरनाक होता है, क्योंकि मोह जब जड़ें जमा लेता है, तो उससे छुटकारा पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। मोह में व्यक्ति अपने ही भीतर उलझकर रह जाता है, जबकि प्रेम मन को मुक्त करता है।

प्रेम किसी पर निर्भरता का नाम नहीं है, बल्कि स्वतंत्रता का अनुभव है। प्रेम हमें मजबूत बनाता है, कमजोर नहीं। यह सही और गलत का भेद भूल जाने का नाम नहीं है, बल्कि सही रास्ते पर अडिग रहने की क्षमता का एक नाम है। अगर प्रेम के नाम पर हम अपने सिद्धांतों से समझौता करने लगें, सही और गलत के अंतर को अनदेखा करने लगें, केवल किसी के साथ बने रहने के लिए अपनी आत्मा की आवाज को दबा दें, तो वह प्रेम नहीं, केवल कमजोरी है। सच्चा प्रेम वह नहीं जो हमें अपने मूल्यों से दूर ले जाए, बल्कि वह है जो हमें और अधिक सशक्त करे, अपने सत्य पर टिकाए रखे, चाहे परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों। जीवन में किसी भी रिश्ते के कारण स्वयं को नहीं खोना चाहिए। अपने सिद्धांतों, अपनी सच्चाई और अपने आत्म-सम्मान पर अडिग रहने का अभ्यास करना चाहिए।

कभी भी किसी दूसरे के कारण अपनी आत्मा को दुखी करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आखिर जब हम अपने सिद्धांतों को ताक पर रख देते हैं, तो सबसे अधिक पीड़ा खुद को ही होती है। एक दिन ऐसा आता है, जब व्यक्ति खुद को कठघरे में खड़ा पाता है, यह सोचकर कि दूसरों को खुश करने की चाह में उसने अपने ही अस्तित्व के साथ कितना बड़ा अन्याय किया। प्रेम का वास्तविक अर्थ है- अपने भीतर के सत्य से जुड़े रहना, दूसरों के प्रति करुणा और सच्ची भावना रखना। इसका अर्थ यह नहीं कि हम किसी के गलत कार्यों को भी सही ठहराएं या अपने जीवन के रास्ते से भटक जाएं। प्रेम में होने का अर्थ है कि हम ईमानदार और स्पष्ट बने रहें, चाहे परिस्थिति कैसी भी हो। यह केवल पाने का नाम नहीं है; यह समझने, स्वीकार करने और कभी-कभी त्याग करने का नाम भी है, लेकिन यह त्याग ऐसा न हो, जिसमें हमारी आत्मा कुचल जाए या सच्चाई खो जाए। अगर किसी के साथ रहने की कीमत अपने मूल्यों से समझौता करने के रूप में चुकानी पड़ रही है, तो रुककर खुद से प्रश्न करना चाहिए कि क्या यह वास्तव में प्रेम है या केवल आदत, मोह या भावनात्मक निर्भरता?

आदतें बदल जाती हैं, मोह टूट जाता है, लेकिन इन्हें प्रेम समझकर व्यक्ति जीवन के निर्णय लेने लगे, तो परिणाम अक्सर गहरी पीड़ा और अकेलेपन में बदल जाता है। प्रेम वह ऊर्जा है जो भीतर जीवन का उजाला भरती है, जबकि मोह, आदत या निर्भरता व्यक्ति को खालीपन की ओर धकेलते हैं। इसलिए, चाहे प्रेम में कितनी भी कठिनाइयां क्यों न हों, अपने सच्चे मार्ग से विचलित न हों। अपनी आत्मा को इतना मजबूत बनाना चाहिए कि परिस्थितियों का बहाव बहाकर न ले जाए।

अपने सिद्धांतों से समझौता करने का फल आखिरकार पछतावे के रूप में ही मिलता है। प्रेम में डूब कर स्वयं को नहीं भूलना चाहिए, क्योंकि वही लोग सबसे अधिक दुखी होते हैं जो खुद को खो देते हैं। जब प्रेम समाप्त होता है, तो उनके पास न प्रेम बचता है और न स्वयं की पहचान। किसी भी रिश्ते में अपनी गरिमा, पहचान और अपने आत्म-सम्मान को सुरक्षित रखना उतना ही आवश्यक है, जितना प्रेम का होना। सच्चा प्रेम गिराएगा नहीं, वह उठाएगा, संपूर्ण बनाएगा, भीतर छिपी संभावनाओं को उजागर करेगा। अगर कोई संबंध सत्य से दूर कर रहा है, चरित्र को कमजोर बना रहा है या आत्मा को चोट पहुंचा रहा है, तो उसे प्रेम कहना प्रेम का अपमान होगा।

अपने जीवन में प्रेम को स्थान देना चाहिए, लेकिन खुद को खोकर नहीं, अपने आप को और अधिक जानकर, अधिक समझकर, क्योंकि जब हम अपने साथ सच्चे होते हैं, तभी दूसरों के साथ भी सच्चे हो पाते हैं। प्रेम का असली स्वरूप वही है, जिसमें दोनों व्यक्ति अपनी-अपनी स्वतंत्रता, गरिमा और सत्य को सम्मान देते हुए एक-दूसरे के साथ चलते हैं। इस भाव का सार यही है कि हम अपने भीतर प्रकाश बनाए रखें। ऐसा प्रकाश, जो हमें भी दिखाए और जिसे दूसरे के साथ बांटा भी जा सके। प्रेम वह यात्रा है, जिसमें दो आत्माएं एक-दूसरे का हाथ पकड़कर आगे बढ़ती हैं, पर अपनी पहचान खोए बिना, अपने सत्य को छोड़े बिना। यही प्रेम की परिपक्वता है, इसका सौंदर्य है।

कृषि क्षेत्र के लिए वरदान साबित हो सकती है होम्योपैथी, कम लागत में किसानों का बढ़ेगा मुनाफा

मीठी गोलियों से इलाज के लिए अपनी विशेष पहचान रखने वाली होम्योपैथी यदि कृषि क्षेत्र में भी सफलता का परचम फहराने लगे, तो कई समस्याओं का समाधान मुमकिन हो सकेगा। यह पद्धति निकट भविष्य में रासायनिक कीटनाशकों और उर्वरकों के बजाय होम्योपैथिक उपचारों के जरिए फसलों में वृद्धि, कीट प्रतिरोध और कृषि क्षेत्र की समग्र सेहत सुधारने का कारगर माध्यम बन सकती है। भारत में भी इस दिशा में कई अनुसंधान और प्रयोग हो रहे हैं। इस पद्धति की विशेषता यह है कि इसमें पौधों को आंतरिक रूप से मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, ताकि प्राकृतिक तौर पर बीमारियों और कीटों से लड़ सकें। 'कृषि-होम्योपैथी' से अन्य कई लाभ भी भविष्य में किसानों को मिल सकेंगे। इसमें विशेष रूप से मिट्टी में रासायनिक उर्वरकों से हुए नुकसान एवं उसमें समाए रासायनिक अवशेषों को खत्म करना और मिट्टी की सेहत को बेहतर बनाना भी शामिल है।

इस पद्धति की सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि इससे महंगे और पारंपरिक तरीकों की तुलना में कृषि लागत कम होगी। कृषि क्षेत्र में निश्चित रूप से यह बड़ा और क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला कदम हो सकता है। भविष्य में कृषि क्षेत्र, 'एग्रो-होम्योपैथी' अपनाए जाने से सुधार की एक नई दिशा में आगे बढ़ेगा। वास्तव में 'एग्रो-होम्योपैथी' पौधों की जीवन शक्ति और आंतरिक प्रक्रियाओं को मजबूत करती है, जिससे वे न केवल अपनी पूरी क्षमता से बढ़ सकते हैं, बल्कि प्राकृतिक रूप से खुद को भी दुरुस्त कर सकते हैं। इस पद्धति से न केवल महंगे, बल्कि जरूरत के वक्त अनुपलब्ध रहने वाले रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में भी कमी आएगी। इसी पद्धति से वह विकल्प भी मिलेगा, जिससे कृषि रसायनों और कीटनाशकों का उपयोग या तो कम हो जाएगा या फिर पूरी तरह से समाप्त हो सकेगा। यह हानिकारक रसायनों और उनके अवशेषों के जोखिम को समाप्त करने की ओर भी प्रभावी कदम होगा।

होम्योपैथिक दवाएं कीटों को सीधे नहीं मार कर पौधों की जैविक प्रणालियों को कुछ इस तरह से प्रभावित करती हैं, ताकि वे अपना प्राकृतिक रक्षा तंत्र, अपनी जरूरत के हिसाब से विकसित और सक्रिय कर सकें। कृषि क्षेत्र में होम्योपैथी का उपयोग ठीक उसी सिद्धांत पर आधारित है, जिसमें किसी बीमारी को जड़ से समाप्त करने के लिए धीरे-धीरे दवाओं से उसे काबू किया जाता है। वैसे भी होम्योपैथी दवाओं में प्रतिकूल असर की संभावनाएं न के बराबर होती हैं। यही सिद्धांत वनस्पतियों और मिट्टी के लिए भी उपयोग किया जाता है। यह पौधों की आनुवंशिक गतिविधियों और चयापचय यानी 'मेटाबालिज्म' में परिवर्तन की प्रक्रिया को प्रेरित करता है, जिससे रक्षा प्रणालियां सक्रिय होती हैं।

कृषि क्षेत्र में होम्योपैथिक दवाओं का सफल प्रयोग हालांकि कई दशकों से हो रहा है। मगर यह केवल कुछ जानकार अपने स्तर पर ही करते रहे हैं। मगर जब विश्व में इसको लेकर शोध और परीक्षण बढ़े, तो लोगों की इसमें जिज्ञासा बढ़ी और अब यह चर्चा का विषय भी बन गया है। मनुष्य को होम्योपैथी से यह विश्वास दिलाया जाता है कि यह उनकी बीमारी की जड़ तक पहुंच कर उसका समाधान करती है। लगभग यही तरीका कृषि क्षेत्र में भी अपनाया जाता है। इतना कहा जा सकता है कि वैश्विक स्तर पर होम्योपैथी की नई शाखा यानी 'एग्रो-होम्योपैथी' निकट भविष्य में कृषि की सेहत सुधारने के लिए एक मजबूत विकल्प बन सकती है। बूंदों में समाहित होम्योपैथी दवाओं का सत पानी में मिल कर खेती-किसानी को भी स्वस्थ और उपयोगी बना सकता है।

हुमायूं कबीर के साथ पश्चिम बंगाल में गठबंधन को लेकर आ गया ओवैसी की पार्टी का बयान, जानिए क्या कहा?

लागत के लिहाज से यह महंगे उर्वरकों और रसायनों की तुलना में बेहद सस्ता होगा। कम लागत की होम्योपैथिक दवाएं भविष्य में पेड़-पौधों पर निर्भर रहने वाले जीव-जंतुओं को भी रसायनों की चपेट में आकर असमय विलुप्त होने से बचा सकेंगी। भारत में होम्योपैथी दवाओं के कई जगह परीक्षण हो चुके है। सर्वविदित है कि होम्योपैथी दवाएं आंतरिक प्रतिरोध विकसित करने में कारगर हैं। इस चिकित्सा पद्धति से उपचारित जीव रोगों के प्रति कम संवेदनशील होते हैं। इसी सिद्धांत पर कृषि होम्योपैथी मिट्टी के स्वास्थ्य और उर्वरता को बनाए रखते हुए पौधों की वृद्धि करती है और इससे उपज भी बढ़ती है।

भारत में कृषि-होम्योपैथी का पुदुचेरी में किया गया प्रयोग चर्चा में है। यहां शोधकर्ताओं ने किसानों के साथ मिल कर जैविक खेती के साथ एक कदम और आगे जाकर होम्योपैथिक खेती का सफल प्रयोग किया है। एक बड़ी विशेषता यह भी सामने आई कि इससे जहां पानी की खपत घटी, वहीं न केवल जल प्रदूषण कम हुआ, बल्कि भूजल स्तर भी बढ़ा। वर्ष 2018 में कृषि क्षेत्र में होम्योपैथी के उपयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए शुरू हुई परियोजना की सफलता का अंदाजा इसी से लगता है कि कुछ ही समय में इसे नाबार्ड का समर्थन मिल गया। प्रयोगशाला से शुरू हुए परीक्षण जब खेतों तक पहुंचे तो उसकी पहली फसल भिंडी में कमाल का असर दिखा। बाद में धान की फसल में भी इसका प्रयोग सफल रहा। इसके बाद फसलों के तीनों सीजन में भी इस प्रयोग ने कमाल दिखाया।

होम्योपैथिक दवाओं ने न केवल फसलों की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाई, बल्कि मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के लिए रसायनों पर निर्भरता कम से कम कर दी। कृषि-होम्योपैथी के मिश्रण ने जहां पत्तियों को नई जान दी, वहीं पौधों की प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाई। इतना ही नहीं मिट्टी में मौजूद सूक्ष्म जीवों को पोषण मिला, जिससे मृदा की जैव विविधता बढ़ी। खेतों में केंचुए और मिट्टी के सूक्ष्म जीव भी लौटने और बढ़ने लगे। इससे धीरे-धीरे मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरता भी लौटने लगी। यह पर्यावरण सुधार की दिशा में भी मील का पत्थर होगा। लगातार प्रयोगों से यह भी साफ हुआ कि तीन साल तक निरंतर कृषि-होम्योपैथी के उपयोग से कृषि उपज में स्थिरता के साथ इसमें आश्चर्यजनक वृद्धि भी देखी गई।

शोधकर्ताओं का कहना है कि कृषि-होम्योपैथी की लागत काफी कम होती है। अमूमन एक किसान, जो रासायनिक खादों पर औसतन 20-30 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर व्यय करता है, उसकी लागत होम्योपैथिक दवाओं पर महज 700 रुपए प्रति हेक्टेयर तक हो सकती है। प्रयोग से पता चला कि होम्योपैथिक दवाओं की कुछ मात्रा ने सैकड़ों लीटर पानी में घुले रसायनों को खत्म करने में अपना प्रभावी असर दिखाया। इससे खेती में हानिकारक रसायनों का इस्तेमाल रुकने से फसल की चमक और पौष्टिकता भी बेहतर हुई, जिससे किसानों को उनकी उपज की अच्छी कीमत मिलने लगी।

भारत में तेजी से लोकप्रिय हो रही कृषि-होम्योपैथी की ओर लगभग हर राज्य के किसान तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। भिंडी, मिर्च और दूसरी तमाम सब्जियों के अलावा आलू, गेहूं, मक्का, धान और दलहन-तिलहन में भी यह पद्धति कारगर साबित हो रही है। होम्योपैथी दवाएं वनस्पतियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती हैं। इससे वनस्पतियां और फसलें अपने रोग स्वतः ठीक कर लेते हैं। निश्चित रूप से आने वाले समय में निरंतर शोध और प्रयोगों के बाद कृषि-होम्योपैथी की भी कई शाखाएं सामने आएंगी। इससे रसायनों और उर्वरकों के बोझ से दबी मिट्टी को कोई नया जीवन और जहरीले तत्त्वों से मुक्ति मिलना संभव हो सकेगा। भविष्य में कृषि-होम्योपैथी से मिट्टी-पानी अपने मूल स्वरूप में आकर फिर से हमारी प्रकृति में नई ऊर्जा भरेंगे।

प्रधानाचार्य ने वर्ल्ड स्कूल वॉलीबॉल चैंपियनशिप विजेता सम्मानित

प्रयागराज। चीन में आयोजित वर्ल्ड स्कूल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में ब्राजील को हराकर कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के खिलाड़ी एवं ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज सिविल लाइंस प्रयागराज के छात्र आदेश सिंह का प्रयागराज आगमन हुआ है। विद्यालय के प्रधानाचार्य विक्रम बहादुर सिंह परिहार एवं अन्य लोगों ने माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य विक्रम बहादुर सिंह परिहार ने कहा कि यह विधालय के गर्व और छात्रों के लिए प्रेरणा है।यह जानकारी विधालय के अजीत सिंह ने दी है।

साहित्यिक गतिविधियों के साथ काव्यांगन का दो दिवसीय वार्षिक उत्सव सम्पन्न, एक दर्जन से अधिक ग्रंथों का विमोचन

साहित्य व्यक्ति की नहीं, समाज की पीड़ा को करता है दूर : रामसुचित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। काव्यांगन साहित्यिक मंच के दूसरे दिन प्रातः काल से ग्रंथों का विमोचन और साहित्यिक विमर्श का कार्यक्रम राज्य शिक्षक प्रशिक्षण अतिथि गृह में आज संपन्न हुआ। प्रथम सत्र में काव्यांगन के संस्थापक स्व प्रो रामकृष्ण शर्मा की स्मृति में सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। यह सम्मान लोकेश कुमार शुक्ला पूर्व निदेशक आकाशवाणी को दिया गया। प्रो विनोद कुमार सिंह सदस्य शिक्षा सेवा चयन आयोग एवं विमल कुमार विश्वकर्मा सदस्य शिक्षा सेवा चयन आयोग को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि लोकेश कुमार शुक्ला ने कहा कि साहित्यिक गतिविधियां मानव जीवन को सात्विकता की ओर ले जाती हैं और उनकी सांस्कृतिक विरासत का पोषण करती हैं। उन्होंने अपनी एक रचना पढ़ते हुए कहा कि मैंने भी जीवन देखा है, आज उनकी पलकों में, मैंने एक आधार देखा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो विनोद कुमार सिंह ने कहा कि प्रयागराज की धरती साहित्य दृष्टि से पहले से ही उर्वरक है और काव्यांगन के इस कार्यक्रम ने इस पावन धरती को और महत्वपूर्ण बना दिया।

द्वितीय सत्र भी साहित्यिक गतिविधियों और विमोचन के लिए समर्पित रहा। मुख्य अतिथि प्रो ऋराज नारायण शुक्ला सदस्य शिक्षा सेवा चयन आयोग ने विचार व्यक्त किया।

समापन सत्र में काव्यांगन के ग्रंथ अब चले आओ का लोकार्पण उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष राम सुचित ने किया जबकि अध्यक्षता प्रो योगेंद्र प्रताप सिंह इविवि ने की। शिक्षा सेवा चयन आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष राम सुचित ने कहा कि साहित्य व्यक्ति की ही नहीं बल्कि समाज की पीड़ा को भी दूर करता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के संकल्पों को पूरा करने में कवियों ने बहुत बड़ा योगदान दिया है और उनकी जनाकांक्षाओं को ही प्रकट करने में कवियों की प्रमुख भूमिका रही है। उन्होंने 70 से अधिक साहित्यकारों को सम्मानित किया साहित्यिक विमर्श के पश्चात साहित्य की और खासतौर से हिंदी की बढ़ती लोकप्रियता और उपयोगिता को सभी साहित्यकारों ने रेखांकित किया।

कार्यक्रम का संयोजन और संचालन रमापति त्रिवेदी, प्रो राधाकृष्ण दीक्षित और विवेक गोयल ने किया। कार्यक्रम के अंत में सभी को आभार व्यक्त किया गया और वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम कासमापन हुआ।

जोन यमुनानगर कमिश्नरेट की मिशन शक्ति टीम द्वारा बालिकाओं एवं महिलाओं को किया गया जागरूक

प्रयागराज। पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत जोन यमुनानगर कमिश्नरेट प्रयागराज की मिशन शक्ति टीम द्वारा बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को थाना क्षेत्र के स्कूलों/कॉलेजों एवं सार्वजनिक स्थानों पर जाकर महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना व हेल्पलाइन नंबर जैसे- वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन नंबर 101 आदि के बारे में जानकारी दी गई, इसके साथ ही साइबर फ्रॉड के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में जागरूक किया गया ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत आयोजित किया गया हिन्दू सम्मेलन

संगठित हिन्दू राष्ट्र को परम वैभव तक ले जाएगा : कमलेश मिश्रा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जनपद के द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत सरस्वती शिशु निकेतन कटघर के मैदान में विशाल हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती की वंदना के साथ किया गया। इस अवसर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सरस्वती शिशु निकेतन के प्रधानाचार्य कमलेश मिश्रा ने सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि जब हिन्दू जगेगा तो राष्ट्र जगेगा और संगठित हिन्दू समाज ही राष्ट्र को परम वैभव तक ले जाएगा उन्होंने कहा कि आज हिंदू समाज राष्ट्र विरोधी ताकत तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं इसलिए हमें और भी सतर्क रहना होगा और अपने परिवार पर ध्यान देना होगा परिवार के सदस्यों को एकजुट करना होगा और अपने बच्चों को सनातन संस्कृति और सभ्यता के विचार से जोड़ना होगा उन्होंने कहा कि आज हिंदुओं की बेटियां लव जिहाद का शिकार हो रही है, ऐसे में अपनी बेटियों को लव जिहाद के मायने बताना होगा और कहा कि देश के अंदर एक बाबरी मस्जिद टूटी तो राष्ट्र विरोधी ताकत है दूसरी बाबरी मस्जिद की तैयारी कर रहे हैं। इसलिए हमें संकल्प लेना होगा देश के अंदर एक भी बाबरी मस्जिद हे ईट नहीं रखने देंगे।

इस अवसर पर सम्मेलन के विशिष्ट वक्ता विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री गौ रक्षा प्रमुख लाल मणि त्रिपाठी, स्वाध्याय परिवार के रमेश चंद्र केसरवानी एवं विजय गुप्ता ने हिंदू समाज को एक जुट होने का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सत्यम योगी महाराज ने किया और देश की संस्कृति समृद्धि के लिए संकल्प दिलाया। संचालन करते हुए राजेश केसरवानी ने कहा कि हमें समाज की कुरीतियों को त्याग कर सनातन संस्कृति के उत्थान के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के लिए एक जुट हो जाएं। इस अवसर विद्यालय के बच्चों के द्वारा झांसी की रानी लक्ष्मीबाई पर आधारित लघु नाटक की प्रस्तुति की गई और मां भारती की आरती कर राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का सामूहिक गान करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक वीरेंद्र अग्रहरि, सुचित एवं धर्मदास कमलेश पाल रहे। इस अवसर मोहन जी टंडन, आशीष, दयाराम, राम देव सुशील जैन, आचार्य गोपाल, नीरज केसरवानी, अभिलाष केसरवानी, शत्रुघ्न जायसवाल, नीरज गुप्ता, एवं सैकड़ो मात्र शक्तियों एवं हिंदू समाज के लोग एकत्रित हुए।

दो दिवसीय राजकीय महाविद्यालय एकेडमिक सोसाइटी की संगोष्ठी संपन्न

बुद्धिमत्तापूर्वक, अनुशासित रहते हुए टेक्नोलॉजी का करें प्रयोग : कुलपति प्रो. अखिलेश सिंह

संगोष्ठी में अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों को किया गया सम्मानित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। राजकीय महाविद्यालय एकेडमिक सोसाइटी (उत्तर प्रदेश) की ओर से द्विदिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन आज विकसित भारत '2047: परंपरा परिवर्तन एवं कृत्रिम बुद्धिमता का समाहार' विषय पर विस्तार से चर्चा हुई। तृतीय एवं चतुर्थ तकनीकी सत्र में डॉ अरुण कुमार मौर्य समीक्षक और डॉ माधवन ने सत्र का संचालन किया। इसमें 10 शोध पत्र शोधार्थियों ने प्रस्तुत किया। इस सत्र के अध्यक्ष प्रो अशोक कुमार सिंह, सिंघानिया विश्वविद्यालय राजस्थान, मुख्य वक्ता योगी सत्यम क्रियायोग संस्थान प्रयागराज झूसी, विशिष्ट वक्ता प्रो नीतू सिंह, हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय महाविद्यालय नैनी, संदीप आनंद मनोविज्ञान विभाग इविवि प्रयागराज, प्रो आदेश कुमार विधि संकाय इविवि प्रयागराज, डॉ रामकृष्ण उपाध्याय, डॉ दीनानाथ मौर्या हिंदी विभाग एसो प्रो इविवि के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

उच्च शिक्षा के सहायक निदेशक उच्च शिक्षा प्रो बीएल शर्मा ने क्रियायोग संस्थान से जुड़े अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों कनाडा की आद्या माता, ब्राजील से स्वामी भावानंद, आयरलैंड से सुरभि चक्रपाणि एवं यू एस से अमृता माता को सम्मानित किया।

समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) राज्य विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि अगर हमें विकसित होना है तो उसके लिए स्वयं पर नियंत्रण एवं परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। हमें तकनीकी का गुलाम नहीं बनना है। क्योंकि तकनीकी हमारे लिए है, हम उसके लिए नहीं। हमें बुद्धिमत्तापूर्वक तथा अनुशासित रहते हुए टेक्नोलॉजी का प्रयोग करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर निदेशक प्रो. अमित भारद्वाज ने विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए सभी वर्ग द्वारा अपनी महती भूमिका के निर्वहन किए जाने पर बल दिया। दो दिवसीय संगोष्ठी की आख्या प्रो. अजीत कुमार सिंह सहायक निदेशक उच्च शिक्षा ने प्रस्तुत की, अतिथियों का स्वागत प्रो शशि कपूर तथा धन्यवाद प्रो बीएल शर्मा ने और संचालन डा. अमिता सिंह ने किया।

गंगा गुरूकुलम नर्सरी के बच्चों का 'स्पोर्ट्स फिस्टा-2025' का धूमधाम से समापन

बच्चों की प्रस्तुति पर झूमे, बजती रही तालियां

मुख्य अतिथि के राशि बडालिया ने किया प्रोत्साहित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। गंगा गुरूकुलम विद्यालय गद्दोपुर, फाफामऊ में नर्सरी से लेकर कक्षा 2 तक के बच्चों का 'स्पोर्ट्स फिस्टा-2025' का धूमधाम से आयोजन किया गया जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेलकूद का मिला-जुला संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के विवेकानन्द प्रेक्षागृह में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के. राशि बडालिया थी। इस अवसर पर महर्षि पतंजलि विद्यालय समूह के सभी सदस्य, सचिव डॉ कृष्णा गुप्ता, कोषाध्यक्ष रवीन्द्र गुप्ता, यशोवर्धन, श्रीमती रेखा बैद, विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती माधुरी श्रीवास्तव तथा समूह के अन्य सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्य, गंगागुरूकुलम प्ले स्कूल की हेड मिस्ट्रेस श्रीमती विभा श्रीवास्तव सहित अन्य लोग शामिल हुए। सर्वप्रथम कक्षा 1 एवं 2 के विद्यार्थियों के सरस्वती गायन के साथ पुष्पांजलि कार्यक्रम हुआ। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती माधुरी श्रीवास्तव ने अतिथियों तथा अभिभावकों का अभिनन्दन करते हुए उनकी उपस्थिति को विद्यार्थियों के लिए उत्साहवर्द्धक बताया। उन्होंने कहा कि विद्यालय बच्चों की अत्युत्तम शिक्षा के साथ-साथ उनका सर्वांगीण विकास करने के लिए कटिबद्ध है।

कक्षा प्रेप, एक और दो के बच्चों ने विष्णु स्तुति पर भव्य नृत्य प्रस्तुत करके सबको प्रफुल्लित कर दिया। कक्षा एक के नन्हें मुन्ने छात्रों ने 'हैप्पी फीट परेड' तथा नर्सरी के नौनिहालों ने 'पॉम-पॉम परेड' प्रस्तुत किया। इसी क्रम में के.जी. के छात्रों ने 'फ्यूज़न आफ द् फिल्ड' के माध्यम से क्रिकेट, हॉकी और फुटबाल के बारे में प्रदर्शन किया। केजी के छात्रों ने शिव तांडव स्त्रोत पर योग करके सबको योग से बनें नीरोग का संदेश दिया। कक्षा दो के बच्चों ने 'मूव एण्ड ग्रूव्स मेनिया' जुम्बा डाँस से पूरे प्रेक्षागृह को तालियों से गूँजा दिया। कक्षा दो के छात्रों ने 'फैन टास्टिक डाँस' तथा कक्षा प्रेप द्वारा 'टट टास्टिक डाँस' ने सबको आनन्द विभोर कर दिया। कक्षा एक के रोमांच से ओत-प्रोत कर दिया। कार्यक्रम मे अभिभावक अपने-अपने बच्चों के प्रतिभा और प्रदर्शन पर तालियां बजाकर उत्साहवर्द्धन करते रहे।

बच्चों ने चींटियों के परिश्रम और कर्त्तव्यनिष्ठा से प्रेरित हो 'मिनी मार्चर ड्रिल' प्रस्तुत किया। कक्षा प्रेप के बच्चों ने 'गिगल ग्रूव्स' द्वारा सर्कस को साक्षात् रूप में दर्शकों के सम्मुख प्रस्तुत कर उन्हें हर्ष और

डायरेक्टर श्रीमती रेखा बैद ने बच्चों के प्रयास को सराहनीय बताया और कहा कि हम बच्चों की शिक्षा के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास में सहायक खेल-कूद पर भी बहुत ध्यान देते हैं। उन्होंने बच्चों को सही दिशा देते हुए देश को सभ्य और शिष्ट नागरिक बनाने में शिक्षकों के साथ-साथ अभिभावकों का सहयोग भी वांछनीय बताया।

मुख्य अतिथि के राशि बडालिया और सदस्यों ने पदक देकर उत्साहित किया। बाल गुरूकुलम के बच्चों (इन बच्चों को प्रबंधन समिति के द्वारा निःशुल्क शिक्षा दी जाती है) को भी पदक देकर उत्साहित किया गया। मुख्य अतिथि के राशि बडालिया ने नन्हे - मुन्ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत किये गये मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा खेल प्रतियोगिताओं की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कार्यक्रम में अधिकाधिक छात्रों की प्रतिभागिता की प्रशंसा करते हुए कहा कि बच्चों के कार्यक्रमों ने मन को ही नहीं हम सबकी आत्मा को छू लिया और उनकी कड़ी मेहनत और सहयोग की प्रशंसा की। उन्होंने बच्चों के सपनों को उड़ान देकर उसे पूरा करने में अध्यापकों का पूर्ण सहयोग बताया। उन्होंने ज्ञान के प्रकाश को शिक्षा के नये आयामों से जोड़कर बच्चों को आगे बढ़ाने, योग और मूल्यों को सिखाने पर भी बल दिया। प्ले ग्रुप की हेडमिस्ट्रेस श्रीमती विभा श्रीवास्तव ने बच्चों के प्रयास की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए शिक्षा के साथ-साथ खेल-कूद को जीवन का अभिन्न अंग बताया। विद्यालय में होने वाली प्रातःकालीन और सायंकालीन खेल-कूद में भाग लेकर अनुशासित और स्वस्थ बनने के लिए बच्चों को प्रेरित किया। विद्यालय की प्राथमिक समन्वयक श्रीमती कविता चक्रवर्ती ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी तथा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। अन्त में राष्ट्रगान के साथ 'स्पोर्ट्स फिस्टा' का हर्षोल्लास के साथ समापन हुआ।

शहर में ब्लड कलेक्शन सेन्टर की स्थापना हुई

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज क्षेत्र के अशोकनगर बहुगुणा मार्केट में डॉ0 इला रंजन के द्वारा एगिलस डायग्नोस्टिक्स के तत्वाधान में एक ब्लड कलेक्शन सेन्टर की स्थापना की गई, जिसका उदघाटन प्रयागराज की सुप्रसिद्ध स्त्रीरोग विशेष डॉ0 मनीषागुत्ता के करकमलों द्वारा किया गया ।

इस अवसर पर डॉए मनीषा गुप्ता के सुपुत्र डॉ0 विदूष रतन भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर इस क्षेत्र के कई लोग की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रधाननियन्त्रक पेंशन कार्यालय के मनोज कुमार सिंह एवं कई अन्य अधिकारी / कर्मचारी भी उपस्थित रहे। इलारंजन ने अपने पति राजीव रंजन के, जो डीएएस अधिकारी रहे हैं. के साथ विधिवत् पूजन-अर्चन के साथ इसे सेंटर की पूजा की।

इस सेंटर के खुलने से इस क्षेत्र के चारों लोगों को अपनी हेल्थ चेकअप और फ़ोज़ एगिलस डायग्नोस्टिक्स में ब्लड टेस्ट की विश्वसनीय सुविधा के का सीधा लाभ मिलेगा।

विंटर टूरिज्म, उत्तराखंड की दिव्यता, संस्कृति और आध्यात्मिक वैभव का अद्भुत संगम : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन में आने वाले विदेशी पर्यटकों को विंटर टूरिज्म के लिये प्रेरित करते हुये स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड, सिर्फ हिमालय की गोद में बसा एक भौगोलिक प्रदेश नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक परंपरा, सांस्कृतिक दिव्यता और प्राकृतिक सौंदर्य का जीवंत प्रतीक है। आज जब विश्व लगातार शांति, संतुलन और आध्यात्मिक मार्गदर्शन की ओर बढ़ रहा है, उत्तराखंड अपनी दिव्यता, भव्यता और विशिष्ट आध्यात्मिक पहचान के साथ विश्व के लिए एक प्रेरणास्रोत बनकर उभर रहा है। इसी धरोहर को आगे बढ़ाते हुए परमार्थ निकेतन विंटर टूरिज्म, विजन, इंस्पिरेशन टूरिज्म, एनलाइटन्मेंट और रीजुवनेशन टूरिज्म के नए आयामों के लिये विदेश से आने वाले पर्यटकों को प्रेरित कर रहा है। इटली, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, स्विट्ज़रलैंड, जर्मनी, फ्रांस, कनाडा एवं अमेरिका से आए पर्यटकों ने यज्ञ, योग, ध्यान, माँ गंगा जी की दिव्य आरती तथा सत्संग को गहराई से आत्मसात करते हुए परमार्थ निकेतन के स्वर्ग जैसे वातावरण का अनुभव किया। इस आध्यात्मिक अनुभूति से अभिभूत होकर उन्होंने पुनः एक माह के लिये यहाँ आने हेतु उत्सुकता व्यक्त की। इस अवसर पर पूज्य स्वामी जी ने उन्हें उत्तराखंड के पावन तीर्थ स्थलों एवं मनोहारी वादियों के दर्शन कर अपने आध्यात्मिक व सांस्कृतिक अनुभव को और अधिक समृद्ध करने हेतु प्रेरित किया। परमार्थ निकेतन में गंगा आरती का दिव्य अनुभव, हिमालय की गोद में सुबह का योग, गंगा तट पर ध्यान तथा योग-आध्यात्मिक चर्चाएँ पर्यटकों के जीवन में अद्भुत परिवर्तन लाती हैं। आज विश्व पर्यावरण संकट, मानसिक तनाव, सामाजिक असंतुलन और जीवन के बढ़ते दबावों से जूझ रहा है। ऐसे समय में भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने जो विंटर टूरिज्म विजन दिया वह अद्भुत है जो आने वाले वर्षों में मानवता के लिए एक नया प्रकाश बनकर उभरेगा। उत्तराखंड की प्राकृतिक व सांस्कृतिक धरोहर को विंटर टूरिज्म नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का एक उज्ज्वल मार्ग है।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब की कार्यकारिणी घोषित, नारद सभागार में शपथ ग्रहण

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब की वर्ष 2026 की कार्यकारिणी की औपचारिक घोषणा रविवार को क्लब के नारद सभागार में की गई। इससे पूर्व 10 दिसंबर को अध्यक्ष व सचिव पद के चुनाव संपन्न हुए थे, जिसमें संदीप तिवारी अध्यक्ष तथा पवन पटेल सचिव निर्वाचित घोषित किए गए थे। कोर कमेटी में वरिष्ठ पत्रकार व पूर्व अध्यक्ष दिनेश तिवारी, पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता एवं कुलदीप शुक्ला को सदस्य बनाया गया था।

रविवार को आयोजित कार्यक्रम में पूरी कार्यकारिणी की घोषणा की गई। उपाध्यक्ष पद पर पवन उपाध्य और आशीष भट्ट को जिम्मेदारी सौंपी गई। संयुक्त सचिव के रूप में मोहम्मद लईक, कोषाध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव तथा सह-कोषाध्यक्ष आरव भारद्वाज को चुना गया। संगठन सचिव का दायित्व विकास मिश्रा को दिया गया, जबकि कार्यालय प्रभारी के रूप में आरिज तथा सह कार्यालय प्रभारी के रूप में अभिनव केसरवानी और शिशिर गुप्ता को नामित किया गया।

प्रकाशन सचिव पद पर नितेश सोनी एवं धीरज कुमार को शामिल किया गया। वहीं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अनुराग शुक्ला, शैलेश यादव, विनीत सेठी, विजित कुशवाहा, प्रवीण मिश्रा, जीएन वैश्य, डॉ. शमशाद, आयुष श्रीवास्तव, दिव्यांश पाण्डेय, विशाल श्रीवास्तव और शकील अहमद को शामिल किया गया।

कार्यकारिणी की घोषणा के उपरांत चुनाव अधिकारी वीरेंद्र पाठक ने सभी पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके बाद क्लब के नारद सभागार में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी वर्ष में क्लब की कार्ययोजना, पत्रकारों के हितों की रक्षा तथा संगठन को और सशक्त बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

अध्यक्ष संदीप तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब हमेशा पत्रकारों के सम्मान, उनके अधिकारों और पत्रकारिता की गरिमा को बनाए रखने के लिए अग्रिम पंक्ति में रहा है। आने वाले समय में भी क्लब पत्रकार हितों के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा। कार्यक्रम में क्लब के तमाम सदस्य, वरिष्ठ पत्रकार एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यकारिणी के गठन पर सदस्यों ने एक-दूसरे को बधाइयां दीं और नए दायित्वों के सफल निर्वहन की शुभकामनाएं प्रकट कीं।

शिवसेना की ओर से भिवंडी मनपा चुनाव की प्रक्रिया का शुभारंभ

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पक्ष की ओर से भिवंडी महानगरपालिका की आगामी सार्वत्रिक चुनाव प्रक्रिया का विधिवत शुभारंभ किया गया। रविवार की सुबह ठीक 11:55 बजे जिला प्रमुख मनोज गगे, पूर्व शहर प्रमुख मोहन वल्लाल, जिला सलाहकार एवं पूर्व नगरसेवक सुखदेव तेजे तथा जिला संगठिका वैशाली मेस्त्री के शुभहस्ते मनपा चुनाव का पहला फॉर्म श्री गणराया के चरणों में अर्पित किया गया।इसके पश्चात शिवसेना शहर शाखा एवं जिला शाखा, अजय नगर भिवंडी स्थित कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां पार्टी के उपनेता अल्ताफभाई शेख, उपनेत्री डॉ. ज्योति ताई ठाकरे, भिवंडी महानगरपालिका संपर्क प्रमुख किशोर पोतदार, संपर्क संगठिका राजलक्ष्मी अंगारखे, पश्चिम संपर्क प्रमुख आसिफ बागवान तथा महानगर प्रमुख अरुण पाटील की उपस्थिति में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा एवं स्व. हिंदुहृदयसम्राट शिवसेनाप्रमुख बालासाहेब ठाकरे की तस्वीर पर पुष्पहार अर्पित कर अभिवादन किया गया।दोपहर 12:45 बजे से 2:30 बजे के बीच इच्छुक उम्मीदवारों को मनपा चुनाव के फॉर्म वितरित किए गए। इस दौरान कुल 19 इच्छुक उम्मीदवारों को फॉर्म दिए गए। कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ पदाधिकारियों ने आगामी भिवंडी महानगरपालिका चुनाव के संदर्भ में उम्मीदवारों को मार्गदर्शन किया और संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया।इस अवसर पर जिला सचिव राजाभाऊ पुण्यार्थी, पूर्व सचिव शांताराम गायकवाड सर तथा पश्चिम सचिव नितेश दांडेकर ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया। फॉर्म लेने वाले इच्छुक उम्मीदवारों में विभिन्न प्रभागों से नाम सामने आए हैं, जिनमें प्रमुख रूप से भुषण रोकडे, प्रदीप बोडके, सुभाष झळके, मुजम्मिल खान, वसीम कुरेशी, शांताराम जाधव, आशरा शकील अंसारी, नौशेबा अंसारी, स्वाती संतोष भावारथे, गजेंद्र गुळवी, तन्मय विजय मलावकर, सुनीता तरे, प्रविण गुळवि, नजीर शेख, वर्षा देवेंद्र पाटील, मनीषा सरवदे एवं संतोष हकारे शामिल हैं।अंत में सभी इच्छुक उम्मीदवारों एवं पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी गईं और चाय-नाश्ते के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

फातमा नगर के भंगार गोदाम में भीषण आग, दमकल की कई गाड़ियां मौके पर

भिवंडी। शहर के फातमा नगर इलाके में रविवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब घनी आबादी के बीच स्थित एक भंगार चिद्दी के गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और गोदाम में रखा भारी मात्रा में भंगार इसकी चपेट में आ गया। आग की लपटें और काले धुएं के गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगे, जिससे आसपास के रहवासी दहशत में आ गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह वही गोदाम है जिसमें पिछले वर्ष भी आग लगने की घटना सामने आई थी। उस दौरान गोदाम में रखे गैस सिलेंडरों में विस्फोट हो गया था, जिससे आग पास की झुग्गी बस्तियों तक पहुंच गई थी। हालांकि उस समय किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई थी, लेकिन बड़ा हादसा होते-होते टल गया था। इसके बावजूद गोदाम मालिक द्वारा आग से सुरक्षा के लिए कोई ठोस इंतजाम नहीं किए जाने का आरोप स्थानीय नागरिकों ने लगाया है।प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि गोदाम में ज्वलनशील भंगार सामग्री बिना किसी सुरक्षा मानकों के संग्रहित की गई थी। यही लापरवाही एक वर्ष के भीतर दूसरी बार आगजनी की बड़ी घटना का कारण बनी। घटना की सूचना मिलते ही भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका की कई दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का कार्य शुरू किया। घनी आबादी के कारण दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।फिलहाल समाचार लिखे जाने तक आग पर काबू पाने के प्रयास जारी थे। आग लगने के कारणों और हुए नुकसान का आकलन आग पूरी तरह बुझने के बाद ही किया जा सकेगा। प्रशासन की ओर से मामले की जांच के संकेत दिए गए हैं, वहीं स्थानीय नागरिकों ने ऐसे गोदामों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे को रोका जा सके।

अवैध शस्त्र निर्माण व तस्करी के आरोप में दो गिरफ्तार

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने की थी घेराबंदी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के इटावा जनपद में पुलिस ने अवैध शस्त्र निर्माण और तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर अपराधियों को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में भारी मात्रा में अवैध हथियार, कारतूस, शस्त्र निर्माण के उपकरण और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

13/14 दिसंबर 2025 की रात थाना बकेवर पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम द्वारा क्षेत्रान्तर्गत इकनौर तिराहे पर संदिग्ध व्यक्ति व वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि इकनौर तिराहे से आगे जंगल में कुछ अपराधी अवैध शस्त्रों का निर्माण कर रहे हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर अपराधियों को पकड़ने का प्रयास किया। खुद को घिरा देख अपराधियों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें अभियुक्त सज्जन सिंह के बाएं पैर और अभिषेक के दाएं पैर में गोली लगी। दोनों को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया। इस दौरान एक अन्य अभियुक्त मुकेश कुमार अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

गिरफ्तार अभियुक्तों की तलाशी के दौरान 14 अवैध तमंचा 315 बोर, अर्धनिर्मित हथियार, पिस्टल, रिवाल्वर, विभिन्न बोर के कारतूस, मोबाइल फोन, चोरी की मोटरसाइकिल और बड़ी संख्या में शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किए गए। पूछताछ में अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि वे इटावा और आसपास के जनपदों में अवैध हथियारों की तस्करी करते थे।

इस मामले में थाना बकेवर पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। दोनों अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास पहले से ही दर्ज है, पुलिस टीम के द्वारा किए गए सराहनीय कार्य को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा ने पुलिस टीम को 25 हजार रुपये का पुरस्कार देकर उत्साहवर्धन किया है।

जर्जर पानी की टंकी से बड़ा हादसा होने की आशंका, दरगाह दीवान शाह के मेले में उमड़ रही भीड़ पर खतरा

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी शहर में एक जर्जर और असुरक्षित पानी की टंकी को लेकर गंभीर चिंता सामने आई है। यह टंकी उस क्षेत्र में स्थित है, जहाँ दरगाह दीवान शाह का वार्षिक मेला आयोजित किया गया है। मेले के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं और छोटे-छोटे बच्चे इसी टंकी के पास से होकर आवाजाही कर रहे हैं, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका जताई जा रही है।

आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के भिवंडी शहर जिला अध्यक्ष रहबर रशीद ने इस संबंध में भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका के आयुक्त, पुलिस विभाग और संबंधित अधिकारियों को लिखित शिकायत देकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने पत्र में कहा है कि पानी की यह टंकी काफी पुरानी और जर्जर हालत में है। इसकी संरचना कमजोर हो चुकी है और सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं।

पत्र में उल्लेख किया गया है कि मेले में बड़े-बडे झूले लगाऐ गये हैं जिसके कारण क्षेत्र में भारी भीड़ जमा होती है। खासकर बच्चे टंकी के बेहद करीब खेलते और आते-जाते नजर आते हैं, जो अत्यंत चिंताजनक है। यदि टंकी को कोई क्षति पहुंचती है या वह गिरती है, तो इससे जान-माल का भारी नुकसान हो सकता है। रहबर रशीद ने प्रशासन से मांग की है कि मेले की अवधि को देखते हुए तत्काल स्थल निरीक्षण कराया जाए और टंकी के आसपास सुरक्षा घेरा बनाया जाए। साथ ही, टंकी को या तो तत्काल मरम्मत कर सुरक्षित किया जाए अथवा एहतियातन उपयोग और आवाजाही पर रोक लगाई जाए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए और कोई दुर्घटना होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभागों और प्रशासन की होगी। फिलहाल प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं में भय और चिंता का माहौल बना हुआ है।

भिवंडी के ऐतिहासिक दरगाह दीवान शाह के आसपास नशे का गढ़

गांजा,चरस,और प्रतिबंधित गुटखा की बिक्री से स्थानीय लोग परेशान

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर की ऐतिहासिक और सांप्रदायिक सौहार्द की प्रतीक दरगाह दीवान शाह (बाबा दीवान शाह) के आसपास का इलाका इन दिनों नशेड़ियों का अड्डा बनता जा रहा है। दरगाह के सामने और आसपास के क्षेत्रों में गांजा, चरस,अफीम सहित अन्य नशीले पदार्थों और प्रतिबंधित गुटखा की खुलेआम बिक्री होने की शिकायतें लगातार सामने आ रही है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, दरगाह क्षेत्र में आए दिन पुलिस द्वारा चिलम पीने वालों और छोटे नशेड़ियों को गिरफ्तार किया जाता है, लेकिन नशीले पदार्थों के मुख्य विक्रेताओं पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। सूत्रों की मानें तो दरगाह के आसपास स्थित दर्जनों पान की दुकानों पर नशीले पदार्थ आसानी से उपलब्ध हैं, जहां से मजदूर वर्ग के लोग और युवा नशे की चपेट में आ रहे है। यह इलाका मजदूर बाहुल्य होने के कारण झुग्गी-झोपड़ियों और छोटे मकानों से घिरा हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन बस्तियों में मौजूद पान टपरियों पर नशे का हर सामान बेचा जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे असामाजिक तत्वों के हौसले बुलंद हैं। इतिहास पर नजर डालें तो दरगाह दीवान शाह एक अत्यंत पवित्र और ऐतिहासिक स्थल है, जिसका संबंध 17वीं सदी (1657) से जुड़ा हुआ है। मान्यता है कि इस भूमि को छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा पवित्र किया गया था। यह दरगाह हजरत दीवान शाह उर्फ हजरत सय्यद मलिक हुसैन शाह कादरी की मजार पर बनी है, जो बगदाद से भारत आए थे और अपनी आध्यात्मिक शक्तियों के लिए प्रसिद्ध थे। हर साल यहां भव्य उरूस (धार्मिक मेला) का आयोजन होता है, जिसमें हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोग बड़ी संख्या में शिरकत करते हैं। यह स्थल वर्षों से सांप्रदायिक एकता और आध्यात्मिक शांति का केंद्र रहा है। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि पुलिस केवल छोटे नशेड़ियों पर कार्रवाई करने के बजाय नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री करने वाले मुख्य सरगनाओं पर सख्त कदम उठाए, ताकि इस ऐतिहासिक धरोहर की गरिमा बनी रहे और क्षेत्र को नशामुक्त किया जा सके।

भिवंडी में साइजिंग कंपनियों से बढ़ता प्रदूषण, स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा

आंखों में जलन व सांस संबंधी बीमारियों की आशंका, एमपीसीबी से कार्रवाई की मांग

भिवंडी। शहर में संचालित साइजिंग और डाइंग कंपनियों द्वारा नियमों की खुलेआम अनदेखी किए जाने से गंभीर वायु और जल प्रदूषण का खतरा बढ़ता जा रहा है। आरोप है कि करीब 150 से अधिक साइजिंग कंपनियों में बॉयलर के ईंधन के रूप में रबर, चिंद्दी, कपड़ा, कागज और लकड़ी जैसे प्रतिबंधित पदार्थ जलाए जा रहे हैं, जिससे जहरीला धुआं फैल रहा है। इससे आसपास के रिहायशी इलाकों में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। इस मामले को लेकर स्थानीय निवासी जावेद खान ने महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल (एमपीसीबी) को लिखित शिकायत देकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के साथ एक साइजिंग कंपनी में जमा किए गए रबर, चिंद्दी और लकड़ी की तस्वीरें भी संलग्न की गई हैं।

शिकायत पत्र में बताया गया है कि भिवंडी मनपा हद्दी के प्रभाग क्रमांक-4, भंडारी रोड पर टावरे पुलिस चौकी के सामने स्थित फिरदौस साइजिंग कंपनी में लंबे समय से बॉयलर में प्रतिबंधित ईंधन का इस्तेमाल किया जा रहा है। आरोप है कि कंपनी में ईटीपी (एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट) की समुचित व्यवस्था नहीं है और उत्पादन प्रक्रिया से निकलने वाला रसायनयुक्त पानी व धुआं बिना शुद्धिकरण के खुले में छोड़ा जा रहा है। इससे जमीन और भूजल के प्रदूषित होने का खतरा बढ़ गया है। जावेद खान का कहना है कि बॉयलर में रबर और चिंद्दी जलाने से निकलने वाला जहरीला धुआं आसपास के रिहायशी इलाकों में फैल रहा है। इसके चलते दमा, सांस की बीमारियां, आंखों में जलन, त्वचा रोग और एलर्जी के मामलों में वृद्धि हो रही है। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव देखा जा रहा है।खान ने यह भी आरोप लगाया कि इस संबंध में 24 नवंबर को भी प्रदूषण नियंत्रण विभाग को शिकायत दी गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे कल्याण स्थित प्रदूषण नियंत्रण अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। उनका कहना है कि निरीक्षण केवल औपचारिकता बनकर रह गया है, जबकि प्रदूषण फैलाने वाली साइजिंग कंपनियां बेखौफ होकर काम कर रही हैं। शिकायतकर्ता ने मांग की है कि प्रदूषण फैलाने वाली साइजिंग और डाइंग कंपनियों के खिलाफ तत्काल जांच कर उन्हें बंद किया जाए और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को प्रदूषण से राहत मिल सके। फिलहाल इस मामले में महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

प्रेम प्रसंग में युवक को लाठी-डंडों से पिटा, प्रेमी की हालत गंभीर

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में थाना बख्शी का तालाब क्षेत्र के कठवारा गांव में प्रेम प्रसंग को लेकर एक युवक पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। प्रेमिका से मिलने पहुंचे प्रेमी को उसके परिजनों ने लाठी-डंडों से बेरहमी से पीट दिया। हमले में युवक के सिर पर कई गंभीर वार किए गए, जिससे वह करीब 15 घंटे तक बेहोश रहा। हालत नाजुक होने पर घायल युवक को लखनऊ के आइकॉन अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित युवक और गांव की एक युवती के बीच प्रेम संबंध बताए जा रहे हैं। शुक्रवार देर रात युवक प्रेमिका से मिलने कठवारा गांव पहुंचा था। इसी दौरान युवती के परिजनों को इसकी जानकारी हो गई। आरोप है कि परिजनों ने युवक को पकड़ लिया और लाठी-डंडों से उस पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में युवक के सिर में गंभीर चोटें आईं और वह मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों के अनुसार, काफी देर तक युवक को कोई मदद नहीं मिली। हालत बिगड़ने पर सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही बख्शी का तालाब थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल अस्पताल भिजवाया गया। उधर, प्रेमिका के परिवार की ओर से भी पुलिस को एक शिकायत दी गई है, जिसमें युवक पर गलत नीयत से घर आने का आरोप लगाया गया है। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। थाना पुलिस के अनुसार, हमलावरों की पहचान की जा रही है और जांच के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है, वहीं प्रेम प्रसंग को लेकर हुई हिंसा ने कानून-व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

वैभव सूर्यवंशी जैसा टैलेंट, लेकिन एक चूक से शुरू होने से पहले खत्म हो गया करियर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेट में जब भी कोई युवा बल्लेबाज अपने आक्रामक खेल से सुर्खियां बटोरता है, तो उससे बड़ी उम्मीदें जुड़ जाती हैं। आज वैभव सूर्यवंशी उसी दौर से गुजर रहे हैं। बेखौफ बल्लेबाज़ी, तेज स्ट्रोक्स और मैच का रुख पलटने की क्षमता ने उन्हें उभरते सितारे के रूप में स्थापित किया है। लेकिन यही खूबियां कभी एक और युवा बल्लेबाज़-पृथ्वी शॉ में भी नजर आती थीं। फर्क सिर्फ इतना है कि वैभव का सफर शुरू हो रहा है, जबकि पृथ्वी शॉ की कहानी एक चेतावनी बन चुकी है।

वैभव सूर्यवंशी अपनी अटैकिंग बल्लेबाज़ी के लिए पहचाने जाने लगे हैं। आईपीएल से लेकर अंडर-19 एशिया कप तक, उन्होंने अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। यूएई के खिलाफ 95 गेंदों में 171 रनों की धमाकेदार पारी ने उन्हें अलग पहचान दी। नई गेंद हो या तेज गेंदबाज़, वैभव शुरुआत से ही दबाव बनाना जानते हैं। तेज फुटवर्क, शानदार कवर ड्राइव और दमदार पुल शॉट उनकी बल्लेबाज़ी की खासियत हैं।

पृथ्वी शॉ का करियर किसी सपने से कम नहीं था। अंडर-19 वर्ल्ड कप में कप्तानी, टेस्ट डेब्यू में शतक और घरेलू क्रिकेट में रनों की बरसात-हर जगह उनका बल्ला बोल रहा था। उनकी आक्रामक शैली के चलते क्रिकेट जगत ने उन्हें 'नेक्स्ट सुपरस्टार' तक कहना शुरू कर दिया था। लेकिन शुरुआती सफलता के साथ आया दबाव और शोहरत को वह संभाल नहीं पाए।

जहां वैभव के सामने लंबा रास्ता है, वहीं पृथ्वी शॉ का करियर गलत फैसलों की भेंट चढ़ गया। खराब रूटीन, फिटनेस पर ध्यान न देना और मैदान के बाहर की जिंदगी को प्राथमिकता देना-इन सबका असर उनके खेल पर पड़ा। चयनकर्ताओं का भरोसा डगमगाया और धीरे-धीरे टीम इंडिया के दरवाज़े उनके लिए बंद होते चले गए। टैलेंट भरपूर था, लेकिन कमिटमेंट की कमी ने सब कुछ खत्म कर दिया।

वैभव सूर्यवंशी आज उसी मोड़ पर खड़े हैं, जहां कभी पृथ्वी शॉ थे। फर्क बस इतना है कि इतिहास अब सामने है। पृथ्वी शॉ की कहानी वैभव के लिए चेतावनी है कि सिर्फ प्रतिभा से करियर नहीं बनता। अनुशासन, फिटनेस, सही संगत और फोकस ही किसी खिलाड़ी को लंबी रेस का घोड़ा बनाते हैं।

भारतीय क्रिकेट ने कई ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी देखे हैं, जो उम्मीदों का बोझ नहीं संभाल पाए। पृथ्वी शॉ का टैलेंट वैभव सूर्यवंशी से कम नहीं था, लेकिन एक छोटी सी चूक ने उनके करियर की दिशा बदल दी। अब यह वैभव पर निर्भर करता है कि वह इतिहास से सबक लेकर खुद को भारतीय क्रिकेट का सच्चा भविष्य बनाते हैं या नहीं।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : हेमंत रेड्डी का तूफानी शतक, आंध्र ने दर्ज की पहली जीत, पंजाब बाहर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के सुपर लीग स्टेज में आंध्र प्रदेश ने शानदार वापसी करते हुए अपनी पहली जीत दर्ज की। इस जीत के हीरो रहे मारामरेड्डी हेमंत रेड्डी, जिन्होंने दबाव भरे हालात में नाबाद शतक जड़कर पंजाब को पांच विकेट से शिकस्त दी। गहुंजे के एमसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस हाई-स्कोरिंग मुकाबले में हेमंत की ऐतिहासिक पारी ने न सिर्फ आंध्र को जीत दिलाई, बल्कि पंजाब को फाइनल की दौड़ से भी बाहर कर दिया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब ने सामूहिक प्रदर्शन के दम पर 20 ओवर में 205/5 का मजबूत स्कोर बनाया। ओपनर हरनूर सिंह ने 30 गेंदों पर 42 रन बनाकर तेज शुरुआत दी। इसके बाद मिडिल ऑर्डर में अनमोलप्रीत सिंह ने 27 गेंदों में 47 रन की अहम पारी खेली। रमनदीप सिंह ने 18 गेंदों में 43 रन ठोककर रन गति और बढ़ा दी, जबकि सलिल अरोड़ा ने 22 गेंदों पर नाबाद 42 रन बनाकर टीम को 200 के पार पहुंचाया। आंध्र की ओर से गेंदबाजी में सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने 1/39 का योगदान दिया, वहीं बाएं हाथ के स्पिनर सौरभ कुमार सबसे किफायती रहे और उन्होंने 1/24 विकेट लिया।

206 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आंध्र की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने शुरुआती ओवरों में ही विकेट गंवा दिए और एक समय स्कोर 12/3 हो गया। हालात और बिगड़े जब नौवें ओवर में आंध्र 56/5 पर सिमट गई। इस दौरान नीतीश रेड्डी बिना खाता खोले आउट हो गए, जिससे पंजाब पूरी तरह मुकाबले पर हावी नजर आने लगा।

मुश्किल हालात में मारामरेड्डी हेमंत रेड्डी और प्रसाद ने मोर्चा संभाला। दोनों ने छठे विकेट के लिए 155 रनों की नाबाद साझेदारी कर मैच का रुख पूरी तरह पलट दिया। हेमंत रेड्डी ने सिर्फ 53 गेंदों में 109 रन की नाबाद पारी खेली, जो उनका पहला टी20 शतक रहा। उनकी पारी में 11 चौके और 7 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। दूसरी ओर, प्रसाद ने 35 गेंदों पर नाबाद 53 रन बनाए, जिसमें 2 चौके और 4 छक्के शामिल रहे।

हेमंत और प्रसाद की आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर आंध्र ने 19.5 ओवर में 211/5 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ आंध्र ने सुपर लीग स्टेज में अपना खाता खोला, जबकि पंजाब का फाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया।

यशस्वी जायसवाल का तूफानी शतक

मुंबई ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में दूसरा सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल किया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे यशस्वी जायसवाल ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में एक और यादगार पारी खेलते हुए मुंबई को ऐतिहासिक जीत दिलाई। हरियाणा के खिलाफ सुपर लीग मुकाबले में जायसवाल के विस्फोटक शतक की बदौलत मुंबई ने 235 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल कर टूर्नामेंट के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज़ दर्ज किया। इस जीत ने न सिर्फ मुंबई की ताकत दिखाई, बल्कि जायसवाल को भारत के सबसे खतरनाक टी -20 बल्लेबाज़ों में भी शामिल कर दिया।

सुपर लीग के इस अहम मुकाबले में हरियाणा ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए विशाल स्कोर खड़ा किया। उनके बल्लेबाज़ों ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और मुंबई के गेंदबाज़ों पर दबाव बनाया। 235 रनों का लक्ष्य टी20 क्रिकेट में आसान नहीं माना जाता, खासकर नॉकआउट चरण जैसे मुकाबलों में। लेकिन मुंबई की टीम आत्मविश्वास से भरी हुई थी और डगआउट में मौजूद खिलाड़ियों को भरोसा था कि अगर शुरुआत अच्छी रही, तो मैच पलट सकता है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे यशस्वी जायसवाल ने शुरुआत से ही साफ संकेत दे दिया कि यह उनका दिन है। बाएं हाथ के इस ओपनर ने गेंदबाज़ों को कोई मौका नहीं दिया और मैदान के चारों ओर शानदार शॉट्स लगाए। जायसवाल ने महज 48 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जिसमें 16 चौके और एक छक्का शामिल था। यह उनके टी -20 करियर का चौथा शतक रहा। उनकी टाइमिंग, फुटवर्क और आत्मविश्वास देखने लायक था, जिसने हरियाणा के गेंदबाज़ी आक्रमण को पूरी तरह बेअसर कर दिया।

ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए व्यवहार में बदलाव आवश्यक : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि देश के सभी क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता लाने के लिए हर नागरिक में व्यवहारिक परिवर्तन बेहद जरूरी है। राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रकृति के साथ संतुलित जीवन शैली अपनाने की चेतना भारत की सांस्कृतिक परंपरा का मूल है।

यही विचार लाइफस्टाइल फॉर एन्वायरनमेंट - लाइफ के माध्यम से पूरी दुनिया तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा, भारत के ऊर्जा परिवर्तन की सफलता के लिए हर क्षेत्र और हर नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। सभी क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता लाने के लिए व्यवहार में बदलाव बेहद जरूरी है।

राष्ट्रपति ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण सबसे पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा का सबसे विश्वसनीय स्रोत है। ऊर्जा संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आज की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

ऊर्जा का बुद्धिमानी से, जिम्मेदारी से और कुशलता से उपयोग करना है। उन्होंने कहा, जब हम अनावश्यक विद्युत उपकरणों के उपयोग से बचते हैं, ऊर्जा-कुशल उपकरण अपनाते हैं, घरों और कार्यस्थलों में प्राकृतिक प्रकाश और वेंटिलेशन का उपयोग करते हैं या सौर और नवीकरणीय ऊर्जा विकल्प अपनाते हैं, तो हम न केवल ऊर्जा बचाते हैं बल्कि कार्बन उत्सर्जन को भी कम करते हैं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि ऊर्जा संरक्षण स्वच्छ हवा, सुरक्षित जल स्रोत और संतुलित परिवेश बनाए रखने के लिए भी महत्वपूर्ण है।

दिग्गज रेसलर जॉन सीना ने डब्ल्यूडब्ल्यूई को कहा अलविदा, अंतिम मुकाबले में हार के बाद भावुक विदाई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। डब्ल्यूडब्ल्यूई के दिग्गज रेसलर जॉन सीना का ऐतिहासिक करियर जीत के साथ खत्म नहीं हो सका। अपने करियर के आखिरी मुकाबले में रविवार को जॉन सीना को गनथर के हाथों हार का सामना करना पड़ा। गनथर ने कड़े दांव-पेच और स्लीपर लॉक से सीना को कमजोर किया, जिसके बाद सीना ने हार स्वीकार की। मैच के बाद भावुक हुए जॉन सीना ने अपनी टी-शर्ट और रिस्टबैंड रिंग में छोड़ते हुए दर्शकों का अभिवादन किया और रिंग को अलविदा कह दिया। इससे पहले मुकाबले में सीना ने दम दिखाया और गनथर को कंधों पर उठाकर पटकने जैसे दांव भी लगाए, लेकिन अंत में उनकी ताकत जवाब दे गई।

जॉन सीना का आखिरी मैच डब्ल्यूडब्ल्यूई के मौजूदा दिग्गज गुंथर के खिलाफ हुआ। गुंथर कोई साधारण रेसलर नहीं हैं। वह डब्ल्यूडब्ल्यूई इतिहास के सबसे लंबे समय तक इंटरकॉन्टिनेंटल चैंपियन रह चुके हैं और पूर्व वर्ल्ड हेवीवेट चैंपियन भी हैं। इस वजह से फैंस को एक जबरदस्त, ताकतवर और यादगार मुकाबले देखने को मिला, जिसमें जॉन सीना अपने करियर की आखिरी लड़ाई पूरी ताकत के साथ लड़ते नजर आएं।

जॉन सीना पहले ही साफ कर चुके थे कि यह उनका आखिरी मैच है और इसके बाद वह एक्टिव रेसलर के रूप में कभी वापसी नहीं करेंगे। सीना ने कहा है कि मुझे अच्छा लगता है कि फैंस सोचते हैं कि मैं फिर लौट सकता हूं, लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। उनके मुताबिक यह मुकाबला उनके करियर का आखिरी मैच था। भले ही भविष्य में रेसलमेनिया जैसे बड़े इवेंट हों, लेकिन वह अब रिंग में रेसलर के तौर पर नजर नहीं आएंगे। जॉन सीना को उनके फैंस 'सीनेशन' का लीडर मानते हैं। इसी वजह से उन्हें पीपल्स चैंपियन भी कहा जाता है। डब्ल्यूडब्ल्यूई के ब्रांड एंबेसडर के रूप में उन्होंने पूरी दुनिया में कंपनी की पहचान बनाई। एक इच्छा करें फाउंडेशन के जरिए हजारों बीमार बच्चों की इच्छाएं पूरी कीं। रिंग के अंदर और बाहर, दोनों जगह फैंस के दिल जीते। यही वजह है कि उनका विदाई मैच सिर्फ एक मुकाबला नहीं, बल्कि भावनाओं से भरा पल था, जिसमें कई फैंस की आंखें नम हो गईं।

तारा सुतारिया और वीर पहारिया ने बताई अपनी पहली डेट की पूरी कहानी

एक्ट्रेस तारा सुतारिया और एक्टर वीर पहारिया ने 'ट्रैवल प्लस लेजर इंडिया' के साथ एक नए इंटरव्यू में अपने रिश्ते की कुछ रोमांटिक बातें शेयर की हैं। उन्होंने अपनी पहली डेट और एक कपल के तौर पर अपनी पहली ट्रिप के बारे में बात की। वीर पहारिया ने अपनी पहली डेट को याद करते हुए कहा कि उन्होंने शुरुआत से ही अपने प्यार और स्नेह को खुलकर अपनाया है। उनका कहना है कि वे कहीं भी हों, अपनी भावनाओं को व्यक्त करने से कभी पीछे नहीं हटे।

जब यह पूछा गया कि क्या कोई ऐसा खास पल था जिसने उनके एक-दूसरे को देखने के नजरिए को बदल दिया, तो वीर ने अपने रिश्ते की सबसे पहली म्यूजिकल शाम का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि यह शायद उनकी पहली डेट नाइट थी, जहां उन्होंने पियानो बजाया था और तारा ने सूरज निकलने तक गाना गाया था। हालांकि, तारा का मानना है कि उनका यह गहरा जुड़ाव किसी एक घटना से नहीं, बल्कि समय के साथ बना है। उन्होंने बताया कि उन्हें शुरुआत से ही एक-दूसरे की यह बात खास लगी कि वे हर सुख-दुख में एक-दूसरे का साथ देते हैं, जैसे वे एक-दूसरे को पूरी जिंदगी से जानते हैं।

अपनी पहली ट्रिप और उसे यादगार बनाने वाली बात के बारे में बताते हुए, तारा ने अपनी मां की एक पुरानी पारिवारिक मान्यता का खुलासा किया।

उन्होंने कहा कि उनकी मां हमेशा कहती थीं कि 'आइल ऑफ कैपरी' ऐसी जगह है जहां आप अपने सबसे अच्छे दोस्त और अपने प्यार को ले जाते हैं। एक पुरानी कहावत है कि अगर आप आइल से गुजरते समय नाव में अपने साथी को गले लगाते हैं तो आप हमेशा के लिए उतने ही खास बने रहेंगे और उन्होंने बिलकुल वैसा ही किया।

वीर ने आगे बताया कि यह जगह तो उनके मिलने से पहले भी उनके लिए मायने रखती थी। उनके लिए अमाल्फी कोस्ट की यह जगह बहुत खास थी। उन्होंने कहा कि एक-दूसरे को जानने से पहले भी, यह वह जगह थी जहां वे जाना चाहते थे जब उन्हें यह पता चला कि उन्हें अपना खास इंसान मिल गया है।

गौरतलब है कि फैंस उनकी छुट्टियों की तस्वीरों और तारा के फैशन शो में वीर की मौजूदगी को लेकर हफ्तों तक अटकलें लगा रहे थे। इस सब के बाद, इस कपल ने जुलाई 2025 में अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था।

टेलर स्विफ्ट का एराज टूर खत्म, लेकिन चर्चा में है 197 मिलियन डॉलर का बोनस!

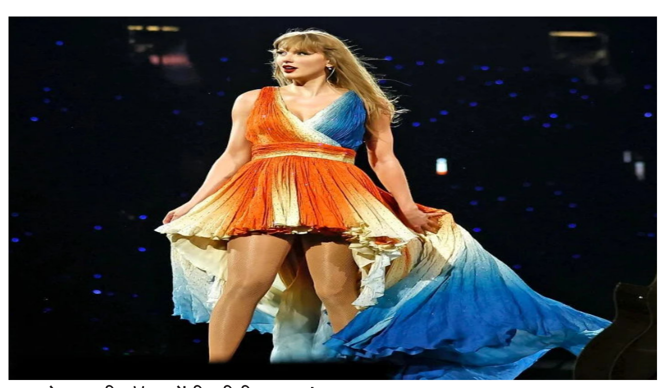

टेलर की डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'द एंड ऑफ़ एन एरा' के नए फुटेज में दिखाया गया है कि कैसे टूर के आखिर में क्रू मेंबर्स ने रिकॉर्ड-ब्रेकिंग बोनस मिलने पर रिएक्ट किया।

पीपल की रिपोर्ट के मुताबिक, जब दिसंबर 2024 में टूर खत्म हुआ, तो टेलर ने प्रोडक्शन में शामिल लोगों को ऋ197 मिलियन का बोनस दिया था। यह बोनस प्रोडक्शन स्टाफ, असिस्टेंट्स, बढ़ई, डांसर, बैंड मेंबर्स और पर्दे के पीछे काम करने वाले सभी क्रू सदस्यों को मिला। डॉक्यूमेंट्री 'द एंड ऑफ एन एरा' के दूसरे एपिसोड में टेलर को खुद टीम मेंबर्स के लिए लिफाफे और हाथ से लिखे नोट्स तैयार करते हुए दिखाया गया है।

टेलर ने चिट्ठियां लिखते हुए कहा कि बोनस देना बहुत जरूरी है, क्योंकि वह एराज टूर के साथ एक मिसाल कायम करना चाहती थीं। उनका मानना है कि अगर टूर ज्यादा कमाता है, तो उस पर काम करने वालों को भी ज्यादा बोनस मिलना चाहिए। भले ही डॉक्यूमेंट्री में हर व्यक्ति को दी गई रकम का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन क्रू मेंबर्स के रिएक्शन दिखाए गए हैं। प्रोडक्शन असिस्टेंट मैक्स होम्स लिफाफा खोलते ही चौंककर कहते हैं, 'मैं बेहोश हो जाऊंगा।' एक सीन में टेलर को डांसरों और बैंड मेंबर्स समेत ऑन-स्टेज क्रू को खुद बोनस देते हुए दिखाया गया है। टेलर का एराज टूर पांच महाद्वीपों के 53 शहरों में 149 शो तक चला। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, टूर ने सिर्फ टिकटों की बिक्री से ऋ2, 077, 618, 725 (लगभग ऋ2.07 अरब) कमाए।

संसदीय समिति ने भूमिगत कोयला खनन परियोजनाओं के लिए मंजूरी प्रक्रिया आसान करने की सिफारिश की

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एक संसदीय समिति ने भूमिगत कोयला खनन की अनुमति के लिए नीति को सरल बनाने और मानकीकृत प्रोटोकॉल अपनाने का सुझाव दिया है। समिति का कहना है कि बड़ी खुली कोयला खदानों जैसी जटिल मंजूरी प्रक्रिया लागू किए जाने से कम पर्यावरणीय प्रभाव वाली परियोजनाओं में भी देरी होती है।

सरकार ने 2030 तक भूमिगत कोयला खदानों से 10 करोड़ टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य तय किया है। कोयला, खान और इस्पात संबंधी स्थायी समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भूमिगत कोयला खनन से सतह पर होने वाला व्यवधान न्यूनतम रहता है, जिससे भूमि, वन और बुनियादी ढांचे का संरक्षण होता है।

इसके साथ ही भूमि पुनर्वास की लागत और अप्रत्यक्ष ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में भी कमी आती है। यह पद्धति उच्च गुणवत्ता वाले गहरे कोयला भंडार तक पहुंच की अनुमति देती है और मौसम की परवाह किए बिना पूरे वर्ष संचालन सुनिश्चित करती है।

रिपोर्ट में कहा गया, कम पर्यावरणीय प्रभाव के बावजूद, कई भूमिगत परियोजनाओं को बड़ी खुली कोयला खदानों जैसी ही मंजूरी और दस्तावेजी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है, जिससे परियोजनाओं में देरी होती है। इसलिए समिति ने भारत में भूमिगत कोयला खनन प्रथाओं के लिए नीति को सरल बनाने और मानकीकृत प्रोटोकॉल की आवश्यकता पर जोर दिया है।

इसके अलावा, समिति ने खुले में खनन के लिए भी एकल-खिड़की मंजूरी प्रणाली के तहत मानक संदर्भ शर्तें (टीओआर) और मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) लागू करने की सिफारिश की है।

भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका भिवंडी, जि.ठाणे

भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका भिवंडी (ठाणे)

जाहीर ई निविदा

खालील कामेकरण्याकरीता सक्षम व अनुभवी ठेकेदाराकडुन ई निविदा मागविण्यात येत आहे.

ई निविदा क्र. /ई निविदा फी / कामाचे स्वरुप	ई निविदा स्विकारण्याची अंतीम तारीख
संगणक/नि.क्र.२४/२०२५/रु.६७२६/- भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका सार्वत्रिक निवडणूक २०२६ करीता संगणक व प्रिंटर खरेदी करणेकामी दर निश्चित करणेबाबत	**दि.२०/१२/२०२५**

सदर ई निविदा mahatenders.gov.in वर दि.१५/१२/२०२५ पासुन उपलब्ध आहेत. आपल्या ई- निविदा वर नमुद केलेल्या तारखेच्या १५.०० वाजे पर्यत पाठविण्यात याव्यात.
मा. प्रशासक तथा आयुक्त सो. यांचे मान्यतेने

जा.क्र./ज.सं.वि./१६०४
दि. १४/१२/२०२५

उप आयुक्त (संगणक)
भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका

मध्य रेल

खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए प्रतिष्ठित ठेकेदारों से खुली ई-निविदा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से आमंत्रित की जाती हैं। **निविदा सूचना क्र. 37, 38 / 2025 दिनांक 05.12.2025. क्र:1. कार्य का विवरण:** **(A)** लोनावला में डी - टाइप (16 नंबर) क्वार्टरों का आरबी- III टाइप क्वार्टरों द्वारा प्रतिस्थापन का विद्युतीकरण कार्य करने हेतु। **(B)** लोनावला में एडीईएन, बड़ा बंगला, सेंट्रल केबिन, बी.वी.टी., स्वराज नगर और एमएस बिल्डिंग पंप हाउस में सबमर्सिबल पंप का प्रावधान करने हेतु । **(C)** वालधुनी रेलवे कॉलोनी में आरबी - II - 1028 & 1009 के संरचनात्मक मरम्मत कार्य के साथ शौचालय, बाथरूम, रसोई, छज्जा, बालकनी की मरम्मत तथा क्षतिग्रस्त दरवाज़ों और खिड़कियों के प्रतिस्थापन का विद्युतीकरण करने हेतु। **(D)** भांडुप स्टोर डिपो के गोदाम, कार्यालय, शौचालय तथा बाउंड्री वॉल के सुधार का रीवायरिंग का कार्य करने हेतु । **निविदा सूचना क्र. 37/2025 (BB.LG.W. LNL.2025.03). कार्य की औसत लागत:** रु. 84,83,332/-. **बोली प्रतिभूति:** रु. 1,69,700/-. **वैधता:** 60 दिन। **समापन अवधि:** 09 माह (समापन). **क्र:1. कार्य का विवरण:** (A) इगतपुरी स्टेशन पर प्लेटफ़ॉर्म 2-3 से पूर्वी सर्कुलेटिंग एरिया तक 3.6 मीटर चौड़े एफओबी के विस्तार का विद्युतीकरण करने हेतु । (B) टिटोली यार्ड, इगतपुरी में पुराने आरसीसी ओवरहेड टैंक के प्रतिस्थापन तथा कसारा में स्टेशन परिसर और कॉलोनी जलापूर्ति हेतु नए टैंक की स्थापना के लिए विद्युतीकरण का कार्य करने हेतु । **निविदा सूचना क्र. 38/2025 (BB.LG.W. IGP. 2025.02). निविदा सूचना क्र. 38/2025 (BB.LG.W. LNL.2025.02). कार्य की औसत लागत:** रु. 65,04,986/-. **बोली प्रतिभूति:** रु. 1,30,100/-. **वैधता:** 60 दिन। **समापन अवधि:** 09 माह (समापन). **अनुदेश : 1. उपर्युक्त निविदा की बंद होने की तिथि एवं समय 29.12.2025 को 13.00 बजे और उसी दिन 13.00 बजे बाद खोली जाएगी। 2.** निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि निविदा के विस्तृत विवरण एवं शुद्धीपत्र, यदि कोई हो तो, की अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** को देखें। **3.** निविदाकर्ता वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से केवल ऑनलाइन निविदा में भाग ले सकते हैं एवं मेनुअल रूप से निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। **4.** आगे की अधिक जानकारी के लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य) मध्य रेलवे एनेक्स बिल्डिंग पहली मंजिल सी.एस.एम.टी. 400 001 से संपर्क कर सकते हैं । **5.** यह निविदा, सार्वजनिक खरीद नीति आदेश 2017 दिनांक 15.06.2017 का अनुपालन करती है।

APEX-734

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

मलप्पुरम में जीत के जश्न के दौरान पटाखे में विस्फोट से यूडीएफ कार्यकर्ता की मौत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केरल के स्थानीय निकाय चुनावों में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की शानदार जीत का जश्न मनाते हुए पटाखे फोड़ना एक कार्यकर्ता के लिए जानलेवा साबित हुआ। जो पटाखा उसके पास था, उसमें गलती से विस्फोट हो जाने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

कोंडोटी थाने के एक अधिकारी ने बताया कि घटना शाम को हुई। पुलिस ने बताया कि इरशाद (40) कोंडोटी में अपने दोपहिया वाहन पर सवार होकर आतिशबाजी कर रहा था, तभी स्कूटर पर भारी मात्रा में रखे हुए पटाखों पर चिंगारी पड़ गई।

पुलिस ने बताया कि पटाखों में विस्फोट होते ही स्कूटर में आग लग गई और वह गंभीर रूप से झुलस गया। पुलिस ने बताया कि पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया जाएगा।

तिरुवनंतपुरम में पूर्व डीजीपी श्रीलेखा आर ने दिलाई बीजेपी को जीत, मेयर बनने की अटकलें तेज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को केरल में एक बड़ी राजनीतिक कामयाबी हासिल की। पार्टी ने तिरुवनंतपुरम कॉर्पोरेशन पर कब्जा कर लिया, जिससे राज्य की राजधानी की नगर पालिका में 45 साल से चल रहे लेफ्ट के लगातार शासन का अंत हो गया। इस जीत को और भी खास बनाते हुए, केरल की पहली महिला आईपीएस अधिकारी, आर. श्रीलेखा, ने एक महत्वपूर्ण मुकाबले में जीत हासिल की, जिससे बीजेपी की इस सफलता का महत्व और बढ़ गया।

2020 में पुलिस महानिदेशक के पद से रिटायर हुईं आर. श्रीलेखा, सस्थमंगलम डिवीजन से भारी अंतर से जीतने के बाद बीजेपी की जीत का एक प्रमुख चेहरा बनकर उभरी हैं। उनकी इस बड़ी जीत से यह राजनीतिक अटकलें तेज हो गई हैं कि क्या 64 वर्षीय पूर्व टॉप पुलिस अधिकारी मेयर पद के लिए बीजेपी की पसंद होंगी। अगर उन्हें चुना जाता है, तो वह राजधानी में पार्टी की पहली मेयर बन जाएंगी।

मेयर पद की संभावना के बारे में पूछे जाने पर श्रीलेखा ने कहा कि यह फैसला पूरी तरह से पार्टी नेतृत्व पर निर्भर करता है।

जीत के बाद उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'मुझे पता चला है कि सस्थमंगलम वार्ड में किसी भी उम्मीदवार को इतनी बड़ी

बढ़त पहले कभी नहीं मिली। मैं लोगों को उनके इस निर्णय के लिए धन्यवाद देती हूं।' उन्होंने यह भी कहा कि एलडीएफ और कांग्रेस ने उनकी उम्मीदवारी की घोषणा के दिन से ही उनके खिलाफ लगातार और अप्रत्याशित आलोचना की थी, लेकिन उन्हें खुशी है कि उनके वार्ड के लोगों ने उन सभी आलोचनाओं को खारिज कर दिया और उनका साथ दिया।

शनिवार को वोटों की गिनती पूरी होने के बाद, बीजेपी 101 सदस्यों वाली तिरुवनंतपुरम कॉर्पोरेशन में 50 वार्ड जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सामने आई। बीजेपी बहुमत से सिर्फ एक सीट पीछे रह गई। लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट ने 29 सीटें, यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट 19 सीटें और निर्दलीय उम्मीदवारों ने 2 सीटें जीतीं।

यह परिणाम एक ऐसे शहर में निर्णायक राजनीतिक बदलाव का संकेत देता है, जिसे लंबे समय से लेफ्ट का गढ़ माना जाता रहा है।

तिरुवनंतपुरम में जन्मी और पली-बढ़ी श्रीलेखा जनवरी 1987 में केरल की पहली महिला आईपीएस अधिकारी बनी थीं। 30 साल से अधिक के अपने करियर में उन्होंने कई प्रमुख एजेंसियों, जैसे सीबीआई, केरल क्राइम ब्रांच, विजिलेंस, और जेल विभाग में सेवा दी। 2017 में वह डीजीपी के पद पर प्रमोट होने वाली केरल की पहली महिला बनीं। सीबीआई में अपने निडर रेड और भ्रष्टाचार विरोधी रुख के लिए उन्हें 'रेड श्रीलेखा' के उपनाम से भी जाना जाता था। वह दिसंबर 2020 में रिटायर हुईं।

प्रदूषण के कारण दिल्ली के स्कूलों में 'हाइब्रिड' क्लास शुरू करने का आदेश जारी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली में हवा की क्वालिटी 'गंभीर' स्तर पर पहुंचने के बाद, शिक्षा निदेशालय ने तत्काल प्रभाव से स्कूलों को हाइब्रिड क्लास शुरू करने का निर्देश दिया है। यह कदम बच्चों को खतरनाक प्रदूषण से बचाने और उनकी पढ़ाई को बिना रुकावट जारी रखने के लिए उठाया गया है। यह निर्देश क्लास 1 से 9 और क्लास 11 के छात्रों पर लागू होगा।

यह आदेश दिल्ली के सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और बिना सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों पर लागू होता है, जो डीओई, एनडीएमसी, एमसीडी और दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड के तहत आते हैं। स्कूलों को निर्देश दिया गया है कि वे अगले आदेश तक, जहां भी संभव हो, ऑनलाइन और फिजिकल क्लास का मिश्रण दें।

यह फैसला तब आया है जब अधिकारियों ने राष्ट्रीय राजधानी में हवा की क्वालिटी में अचानक आई गिरावट के कारण ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान के स्टेज-4 के तहत पाबंदियां सख्त कर दी हैं। शिक्षा निदेशालय ने अपने आधिकारिक नोटिस में कहा, 'सभी हेड को निर्देश दिया जाता है कि वे क्लास 9 और 11 तक के बच्चों के लिए 'हाइब्रिड' मोड में क्लास चलाएं, जिसमें फिजिकल और ऑनलाइन दोनों शामिल हों, जहां भी ऑनलाइन क्लास संभव हों, अगले आदेश तक तुरंत प्रभाव से।' आधिकारिक नोटिस में यह भी स्पष्ट किया गया है कि छात्रों और उनके अभिभावकों के पास, जहां भी यह सुविधा उपलब्ध है, वहां ऑनलाइन क्लास में शामिल होने का विकल्प होगा। चूंकि प्रदूषण का उच्च स्तर बच्चों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर रहा है, इसलिए दिल्ली के स्कूलों ने सुरक्षा और सीखने की निरंतरता के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए तुरंत प्रभाव से हाइब्रिड मॉडल लागू कर दिया है।

हिमाचल प्रदेश में अगले अकादमिक सत्र से स्कूलों में विद्यार्थियों के मोबाइल ले जाने पर पाबंदी-सुक्खू

शिमला **(एजेंसी)**। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शनिवार को घोषणा की कि आगामी शैक्षणिक सत्र से प्री-नर्सरी से लेकर 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए विद्यालय परिसर में मोबाइल फोन ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने कहा, "हालांकि, शिक्षकों को अपने मोबाइल फोन स्टाफ रूम में या अपने बैग में रखने की अनुमति होगी।" मुख्यमंत्री ने समग्र शिक्षा निदेशालय में अत्याधुनिक सुविधाओं का उद्घाटन किया, जिनमें विद्या समीक्षा केंद्र (वीएसके), शिक्षा गैलरी, कार्यक्रम प्रबंधन स्टूडियो, सम्मेलन क्षेत्र, नया सम्मेलन कक्ष और एक आधुनिक केंद्रीय ताप प्रणाली शामिल हैं।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ये उन्नत सुविधाएं न केवल प्रशासनिक और शैक्षणिक दक्षता को बढ़ाएंगी बल्कि हिमाचल प्रदेश में डिजिटल शिक्षा प्रशासन के एक नए युग की शुरुआत भी करेंगी।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पिछले तीन वर्षों में राज्य सरकार ने शिक्षा क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और कई निर्णायक सुधार लागू किए हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने शिक्षा की गुणवत्ता के मूल्यांकन के आधार पर अपनी रैंकिंग को 21वें स्थान से 5वें स्थान पर पहुंचाकर राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रगति की है।

आयोजक सताद्रु दत्ता को कोर्ट से बड़ा झटका, जमानत खारिज, पुलिस रिमांड पर भेजा

कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में शनिवार को लियोनेल मेस्सी के 'गोट टूर ऑफ इंडिया' के दौरान कुप्रबंधन के कारण हिंसा भड़क उठी। इस मामले में, मुख्य आयोजक और प्रमोटर सताद्रु दत्ता को गिरफ्तार किया गया था, जिनकी जमानत हिरासत में भेज दिया है।

स्टेडियम के कुप्रबंधन पर भड़के फैंस मेस्सी अपने इंटर मियामी टीम के साथियों लुइस सुआरेज और रोड्रिगो डी पॉल के साथ शनिवार दोपहर स्टेडियम पहुंचे थे। मेस्सी की एक झलक पाने के लिए हज़ारों ने घेर लिया, जिससे यह दौरा नियंत्रण से बाहर हो गया और सुरक्षाकर्मियों को स्टार खिलाड़ी को तुरंत स्टेडियम से बाहर निकालना पड़ा।

फैंस ने फुटबॉल स्टार को ठीक से देख नहीं पाया। टिकट पर 14,000 रुपये तक खर्च करने वाले नाराज

याचिका को बिधाननगर कोर्ट ने रविवार को खारिज कर दिया। कोर्ट ने दत्ता को 14 दिन की पुलिस फैंस मौजूद थे। हालांकि, जैसे ही मेस्सी मैदान पर आए, उन्हें कई राजनेताओं और गणमान्य व्यक्तियों फैंस ने अधिकारियों को अपशब्द कहे और कुर्सियां तथा बोतलें फेंकनी शुरू कर दी।

दक्षिण अफ्रीका कड़ा एक्शन : 16 बांग्लादेशी नागरिक देश से निकाले, जिस एयरलाइन से आए उसे भी ठोका जुर्माना

ढाका **(एजेंसी)**। दक्षिण अफ्रीका ने कड़ा एक्शन लेते हुए फर्जी वीजा के साथ देश में आए 16 बांग्लादेशी नागरिकों को निर्वासित करने का फैसला किया है । अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ये बांग्लादेशी नागरिक 'इथियोपियन एयरलाइंस' की उड़ान से ओआर टैम्बो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे थे। बीएमए (सीमा प्रबंधन प्राधिकरण) की कार्यवाहक आयुक्त जेन थुपाना ने पुष्टि की कि यह मानव तस्करी, अनियमित प्रवासन और अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध से निपटने के लिए किए जा रहे प्रयासों के तहत उठाया जाने वाला कदम है। बीएमए द्वारा यात्रियों के विवरण का विश्लेषण किए जाने के बाद उन्हें रोका गया जिसमें उनकी गतिविधियों को संदिग्ध पाया गया था।

प्रारंभिक जांच में मानव तस्करी गिरोहों द्वारा आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली कार्यप्रणाली का पता चला, जिसमें व्यक्ति दक्षिण अफ्रीका से होकर पड़ोसी देशों में जाने का प्रयास करते हैं और बाद में दक्षिण अफ्रीका में फिर से प्रवेश करते हैं। बांग्लादेश के तीनों पुरुष नागरिकों को फर्जी वीजा के साथ पकड़ा गया। कुछ लोग पासपोर्ट जांच क्षेत्र में दक्षिण अफ्रीकी यात्रियों के बीच घुलने की कोशिश कर रहे थे जिससे प्राधिकारियों को उन पर संदेह हुआ। इन व्यक्तियों को कतार से अलग कर दिया गया और आगे की जांच के लिए बीएमए सीमा कानून प्रवर्तन कार्यालय को सौंप दिया गया। उनके दस्तावेज फर्जी पाए गए। थुपाना ने कहा कि अवैध प्रवासियों को लाने वाली विमानन कंपनी पर प्रत्येक प्रवासी के लिए 15-15 हजार रैंड का जुर्माना लगाया जाएगा।

हमलावर की पहचान से खुलासा

ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच आंतकी हमले में पाकिस्तान का हाथ! नेटवर्क मैपिंग में जुटी जांच एजेंसियां

सिटनी **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी स्थित बॉन्डी बीच में हुई हिंसक घटना के बाद जांच एजेंसियों की कार्रवाई तेज हो गई है। सोशल मीडिया और कुछ अंतर्राष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि एक संदिग्ध की पहचान 'नवीद अकरम' के रूप में हुई है, जिसे पाकिस्तानी नागरिक बताया जा रहा है। हालांकि, ऑस्ट्रेलियाई पुलिस और सरकार ने अभी तक इस पहचान और राष्ट्रीयता की औपचारिक पुष्टि नहीं की है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पुलिस ने पश्चिमी सिडनी के बोनिरिग इलाके में एक घर पर छापा मारा है। यह कार्रवाई केवल सबूत जुटाने तक सीमित नहीं मानी जा रही, बल्कि संभावित सहयोगियों, फंडिंग, संचार चैनलों और लॉजिस्टिक सपोर्ट की पड़ताल के लिए की जा रही है। जांच एजेंसियों ने मोबाइल फोन, कंप्यूटर, डिजिटल डेटा, बैंकिंग और वित्तीय रिकॉर्ड, यात्रा इतिहास और संपर्क सूची को खंगालना शुरू किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि दूसरे संदिग्ध की पहचान पुलिस जानती है, लेकिन उसे फिलहाल सार्वजनिक नहीं किया गया है। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी स्थिति में पहचान रोकना अक्सर जांच की संवेदनशीलता, संभावित नेटवर्क की तलाश या आगे की कार्रवाई से जुड़ा होता है। पुलिस ने इस पर कोई औपचारिक टिप्पणी नहीं की है। सोशल मीडिया पर मृतकों

की संख्या, हथियारों और हमले की प्रकृति को लेकर भी कई दावे सामने आए हैं। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि घटना के दौरान एक साहसी नागरिक ने एक संदिग्ध को काबू कर लिया, जिससे संभावित रूप से और लोगों की जान बची। हालांकि, इन विवरणों की भी आधिकारिक पुष्टि बाकी है।

घटना के बाद प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ ने राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की आपात बैठक बुलाई। सरकार ने इसे 'बेहद दुखद और चौंकाने वाली' घटना बताते हुए कहा है कि जांच पूरी होने से पहले किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। विपक्षी नेताओं ने यहूदी समुदाय की सुरक्षा पर चिंता जताई है और सख्त कदम उठाने की मांग की है।पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने आम जनता से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें, सोशल मीडिया पर चल रहे अप्रमाणित दावों से बचें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें। सूत्रों के मुताबिक, आने वाले समय में पश्चिमी सिडनी के अन्य इलाकों में भी कार्रवाई हो सकती है।

प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि वह पिछले 13 वर्षों से इज़राइल में रह चुका है और एंटी-सेमिटिज़्म के खिलाफ काम करने के लिए दो हफ्ते पहले ही ऑस्ट्रेलिया आया था।उसका कहना है, 'हम इससे भी बुरे हालात झेल चुके हैं। हम फिर खड़े होंगे। इस नफरत और हिंसा के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी।'पुलिस और आपात सेवाओं ने इलाके को सुरक्षित कर लिया है। घायलों का इलाज चल रहा है और जांच एजेंसियां घटना की परिस्थितियों, हमलावरों और सुरक्षा चूक की पड़ताल कर रही हैं। अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील की है।

इजरायली राष्ट्रपति ने बॉन्डी बीच हमले को 'यहूदियों पर क्रूर हमला' बताया

अंतरराष्ट्रीय समुदाय से एकजुट होने की अपील की

बेरुत **(एजेंसी)**। इजरायली राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने सिडनी के बॉन्डी बीच पर रविवार को हुई गोलीबारी की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इस घटना को 'यहूदियों पर क्रूर हमला' करार दिया और ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों से यहूदी-विरोधी भावना के खिलाफ लड़ाई तेज करने का आग्रह किया है। यरुशलम में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हर्जोग ने कहा, 'इस समय, ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में हमारे भाइयों और बहनों पर नीच आतंकवादियों ने यहूदियों पर बहुत क्रूर हमला किया है।' उन्होंने ऑस्ट्रेलिया से यहूदी-विरोधी भावना की उस बड़ी लहर के खिलाफ लड़ने का आह्वान किया, जो ऑस्ट्रेलियाई समाज को परेशान कर रही है।

बता दें, ऑस्ट्रेलिया में अभी तक इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है कि यह हमला विशेष रूप से यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किया गया था।

सिडनी के मशहूर बॉन्डी बीच पर रविवार को दो बंदूकधारियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की थी, जिसमें शुरुआती जानकारी के अनुसार 10 लोगों की मौत हो गई है। चश्मदीदों के मुताबिक, हमलावरों ने 50 से अधिक गोलियां चलाई थीं।

यह भीषण गोलीबारी आठ दिन के यहूदी त्योहार हनुक्का की पहली रात को हुई। 'सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड' की रिपोर्ट के अनुसार, हमलावरों ने शनिवार शाम 6.30 बजे (ऑस्ट्रेलियाई समय) के ठीक बाद गोलीबारी शुरू की, जब सैकड़ों लोग इस त्योहार की शुरुआत के मौके पर समुद्र किनारे एक कार्यक्रम के लिए इकट्ठा हुए थे।

यूएई शिखर सम्मेलन में भारत की धाक, यूरोप-ळख-मिस्र के विदेश मंत्रियों से मिले जयशंकर

दुबई **(एजेंसी)**। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में उच्च-स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन से इतर यूरोप, ब्रिटेन और मिस्र के अपने समकक्षों से मुलाकात की। कई महत्वपूर्ण भूराजनीतिक और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों पर चर्चा के लिए विश्व के नेता और नीति निर्माता यूएई में एकजुट हुए हैं। जयशंकर ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि लक्जमबर्ग के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री जेवियर बेटेल, पोलैंड के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की और लातविया की विदेश मंत्री बैबा ब्रेज के साथ मिलकर "बहुत अच्छा लगा"।

मंत्री संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में तीन दिवसीय 'सर बानी यास फोरम 2025' में भाग लेने पहुंचे थे। सम्मेलन रविवार को समाप्त हुआ। जयशंकर ने शिखर सम्मेलन के दौरान ब्रिटेन के उप प्रधानमंत्री डेविड लैमी से भी मुलाकात की। उन्होंने एक अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, "ब्रिटेन के उप प्रधानमंत्री डेविड लैमी को सर बानी यास फोरम 2025 के दौरान देखकर अच्छा लगा।" विदेश मंत्री ने एक अन्य बैठक को लेकर कहा कि मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बदर अब्देलट्टी से मुलाकात करके "अच्छा लगा"। सर बानी यास फोरम एक वार्षिक मंच है जो क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए वैश्विक नेताओं, मंत्रियों और विशेषज्ञों को एक साथ लाता है।

रूस के कहर से तड़प रहा यूक्रेन, जेलेंस्की बोले-जानबूझ कर युद्ध को खींच रहे पुतिन

मॉस्को **(एजेंसी)**। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को रूस पर युद्ध को जानबूझकर लंबा खींचने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि रूसी सेना लगातार यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे को निशाना बना रही है, जिससे लाखों लोग बिजली, हीटिंग और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हो गए हैं। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि शुक्रवार से ही यूक्रेनी आपातकालीन और उपयोगिता सेवाएं लगातार काम कर रही हैं, ताकि रूसी हमलों के बाद हालात सामान्य किए जा सकें। उन्होंने कहा, 'स्थिति बेहद कठिन बनी हुई है। मायकोलाइव, ओडेसा, खेरसॉन, चेर्निहिव, डोनेट्स्क, सुमी और ड्निप्रो क्षेत्रों में सैकड़ों हजार परिवार अब भी बिजली के बिना हैं।' उन्होंने मुरम्मत कार्य में जुटे कर्मचारियों का आभार भी जताया। जेलेंस्की के मुताबिक, रूसी हमले रातभर जारी रहे, जिनमें आम नागरिक भी घायल हुए। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, 'रूस युद्ध को खींच रहा है और हमारे लोगों को अधिकतम नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है।' जेलेंस्की ने खुलासा किया कि सिर्फ पिछले एक सप्ताह में रूस ने यूक्रेन पर 1500 से ज्यादा अटैक ड्रोन, करीब 900 गाइडेड एरियल बम और 46 मिसाइलें दागीं।उन्होंने इसे रूस की आक्रामकता का स्पष्ट सबूत बताया।

लगातार हमलों के बावजूद जेलेंस्की ने दोहराया कि यूक्रेन सम्मानजनक शांति चाहता है और इसके लिए कूटनीतिक रास्ते पर कायम है। उन्होंने कहा, 'यूक्रेन को सम्मानजनक शांति चाहिए और हम रचनात्मक तरीके से काम करने को तैयार हैं। आने वाले दिन कूटनीतिक प्रयासों के लिए बेहद अहम होंगे।' जेलेंस्की ने बताया कि वह जल्द ही अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ उच्चस्तरीय बैठकों में हिस्सा लेंगे। जर्मनी की राजधानी बर्लिन में कई अहम बैठकें होने वाली हैं। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव पहले से हुए संपर्कों पर उन्हें और वार्ता टीम को जानकारी देंगे, जबकि सैन्य और सुरक्षा अधिकारी यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी के मसौदे पर काम करेंगे।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)